• जयपुर, रविवार 1 दिसंबर 24 • वर्ष 14 • अंक 103 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 तालीमी कांफ्रेंस में दिया गया शिक्षा की बेहतरी पर जोर...

पेज @4 भाजपा भ्रष्ट्राचार की वाशिंग मशीन : रामकिशन...

पेज @8 जयपुर जिला डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के सकारात्मक एवं अभिनव पहल ...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

न्यूज अपडेट

संभल में 10 दिसंबर तक बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक, सपा नेताओं को भी जाने से रोका

संभल/एजेंसी। जिले में बीते 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हिंसा का मामला सामने आया था। इसके बाद से जिले में बाहरी लोगों की एंट्री को रोक दिया गया है। जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर अब 10 दिसंबर तक रोक लगा दी है। जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेसीया ने कहा, कोई भी बाहरी व्यक्ति, कोई सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि जनपद की सीमा में सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना 10 दिसंबर तक प्रवेश नहीं करेगा।

दरअसल, समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल हिंसा के बाद बीते कई दिनों से संभल जाने के प्रयास में है। इसे लेकर समाजवादी पार्टी कहा, ''संभल में हुई हिंसा की जांच के लिए बनाए गए सपा प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं के घरों पर सरकार द्वारा पुलिस तैनात कर उन्हें संभल जाने से रोकने की घटना घोर निंदनीय एवं अलोकतांत्रिक है। भाजपा सरकार संभल हिंसा का सच छिपा रही है। सपा प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की अनुमति मिले।''

कांग्रेस ने भी संभल जाने की बात कही

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि संभल मामले की जानकारी हासिल करने के लिए कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल दो दिसंबर को वहां जाएगा। इस बीच, माता प्रसाद पांडेय ने लखनऊ में अपने आवास के बाहर कहा, ''गृह सचिव संजय प्रसाद ने मुझे फोन कर संभल नहीं जाने का अनुरोध किया था। संभल के जिला मजिस्ट्रेट ने भी मुझे फोन कर बताया कि जिले में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक 10 दिसंबर तक के लिए बढ़ा दी गई है, इसलिए मैं अब पार्टी कार्यालय जाऊंगा और इस मुद्दे पर चर्चा करूंगा।''

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार तुरंत होना चाहिए बंद, चिन्मय दास को किया जाए रिहा : आरएसएस

नई दिल्ली/एजेंसी। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की बांग्लादेश में गिरफ्तारी को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शनिवार को कड़ी आपत्ति जताई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने वक्तव्य जारी करते हुए बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद करने की अपील की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में कहा गया, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हों। इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करें। 30 नवंबर 2024 को बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक हैं तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी भर्त्सना करता है।

बयान में आगे कहा गया, वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां इसे रोकने की जगह केवल मूकदर्शक बनी हुई है।

'फेंगल' के दस्तक से पहले चेन्नई एयरपोर्ट बंद, भारी बारिश से कई उड़ानें रद्द, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

चेन्नई/एजेंसी।

चक्रवात फेंगल के कारण तमिलनाडु में भारी बाढ़ और तेज हवाओं का प्रकोप जारी है। इस कारण चेन्नई एयरपोर्ट को शाम 7 बजे तक अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। खराब मौसम के चलते कई उड़ानें रद्द या देरी से चल रही हैं।

एयर इंडिया ने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि चेन्नई से आने-जाने वाली उड़ानें भारी बारिश और खराब मौसम के कारण प्रभावित हो रही हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने भी चेन्नई, तिरुचिरापल्ली, तूतीकोरिन, मदुरै, तिरूपति और विशाखापत्तनम से आने वाली उड़ानों में देरी या रद्द होने की संभावना जताई है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति की जांच के लिए एयरलाइंस की वेबसाइट या ऐप का उपयोग करें। साथ ही, यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान अवश्य देखें। चेन्नई एयरपोर्ट के अधिकारियों ने भी एक बयान जारी कर बताया है कि यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। जैसे ही मौसम साफ होगा, उड़ानों का संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा। चक्रवात फेंगल के चलते तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में जोरदार बारिश जारी है। भारतीय मौसम विज्ञान के उपग्रह और श्रीहरिकोटा में डॉपलर मौसम रडार चक्रवात पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।आगामी चक्रवात को देखते हुए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी सुरक्षा व्यवस्था और बचाव कार्य की समीक्षा की। उन्होंने अपडेट शेयर करते हुए कहा मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले दो-तीन दिनों तक लगातार बारिश होगी। तमिलनाडु सरकार लगातार निगरानी कर रही है और एहतियाती कदम उठा रही है।

'विकसित भारत 2047 - विजन ऑफ न्यू इंडिया 3.0' कॉन्क्लेव

विकसित भारत अब सपना नहीं, चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को नई दिल्ली में 'विकसित भारत 2047 - विजन ऑफ न्यू इंडिया 3.0' कॉन्क्लेव में कहा कि विकसित भारत अब सपना नहीं बल्कि चुनौतीपूर्ण लक्ष्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि हम इस लक्ष्य को हासिल करके रहेंगे।

धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आम आदमी की आय को 8 गुणा करना होगा। उन्होंने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण कार्य को करने में सरकार की नीतियां मददगार होंगी। सरकार की नीतियों ने एक ऐसे वातावरण का निर्माण कर दिया है कि जहां हर भारतीय अपनी प्रतिभा को निखार सकता है।

उन्होंने कहा कि आज 50 करोड़ लोग बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ गए हैं। बिना बिचौलिए के लाभार्थियों के बैंक खातों में पैसा पहुंचता है। एक साल में चार एयरपोर्ट नए बन रहे हैं। मेट्रो सिस्टम बन रहा है। प्रतिदिन 14 किलोमीटर राजमार्ग और 6 किलोमीटर रेलवे लाइन तैयार हो रही है।

● उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आम आदमी की आय को 8 गुणा करना होगा

सदन में विपक्ष के व्यवधान पर जतायी चिंता

संसद के शीतकालीन सत्र में विपक्ष के व्यवधान पर चिंता जताते हुए धनखड़ ने कहा कि संसद प्रजातंत्र का मंदिर है और हमें वहां जनता की पूजा करनी चाहिए। संसद लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने का स्थान है। यदि ऐसे मंदिर की हम गरिमा नहीं रख पाते, वहां विचार-विमर्श नहीं होता है तो वह अशांति और व्यवधान का अड्डा बन जाता है। उन्होंने कहा कि व्यवधान कोई उपाय नहीं बल्कि एक रोग है। धनखड़ ने जनप्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि वह अपनी आत्मा को टटोलें और शपथ का ध्यान करें। भारत के संविधान के प्रस्तावना को सामने रखें और संसद को शत प्रतिशत उत्पादक बनाएं।

राजनीति में परिवर्तन के बिना कुछ नहीं

उन्होंने कहा कि राजनीति के अंदर परिवर्तन के बिना कुछ नहीं होता है और देश में परिवर्तन दिखाई दे रहा है। देश के सर्वोच्च पद पर एक जनजातीय महिला विराजमान हैं और केंद्र सरकार का नेतृत्व एक अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह दशकों के बाद किसी प्रधानमंत्री को लगातार तीन बार जनता का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है।

तेज रफ्तार कार ने टेंपो में मारी टक्कर, 5 लोगों की दर्दनाक मौत

श्रावस्ती/एजेंसी। श्रावस्ती जिले में शनिवार को एक दिल दहलाने वाले सड×क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा नेशनल हाईवे-730 पर इकौना थाना क्षेत्र के मोहनीपुर तिराहे पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, एक तेज रफ्तार कार ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर के बाद दोनों वाहन सड×क से कई फीट नीचे खाई में जा गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, पांच लोगों की मौत पहले ही हो चुकी थी। मृतकों की पहचान गिलौला के मोहम्मदानपुर निवासी अयोध्या प्रसाद, बहराइच के धरसवा निवासी मुरलीधर, इकौना थाना क्षेत्र के पांडेय पुरवा निवासी लल्लन, बरईपुर निवासी ननके यादव और बहराइच के पयागपुर थाना क्षेत्र के वीरपुर सेवनाहे निवासी रफीक के रूप में हुई है। घायलों को मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि कार चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साथ ही, सड़कों की मरम्मत और नए संकेत बोर्ड लगाने का काम भी किया जा रहा है। इकौना के मोहनीपुर में हुए सड़क हादसे को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के आश्रितों को आर्थिक मदद देने व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने तथा उन्हें आर्थिक सहायता देने को कहा है। साथ ही मुख्यमंत्री ने डीएम व एसपी ने तत्काल मौके पर जाकर पीड़ितों की हर संभव मदद करने तथा उन्हें बेहतर इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया है।

केंद्र ने राज्यों को लिखा पत्र, कहा-

सर्पदंश के मामलों को अधिसूचित बीमारी घोषित करें

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से आग्रह किया है कि वे सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी घोषित करें। इस संबंध में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्या सलिल श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए पत्र में कहा है कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों को इस तरह के मामलों और मौतों की जानकारी देना अनिवार्य करें।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि सर्पदंश सार्वजनिक स्वास्थ्य का मुद्दा है और कुछ मामलों में यह मौत, बीमारी या अपंगता के रूप में देखने को मिलती है। राज्यों को चाहिए कि वे अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य कानूनों या अन्य लागू कानूनों की संबंधित धाराओं के अंतर्गत सर्पदंश को अधिसूचित बीमारी घोषित करें। इसके साथ सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों व मेडिकल कालेजों के लिए ऐसे किसी भी संदिग्ध मामले या मौत की जानकारी की सूचना को भी अनिवार्य करें।

गृहमंत्री पद के लिए शिवसेना शिंदे समूह ने किया दावा

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में बनने वाली नई सरकार में गृहमंत्री पद के लिए शिंदे की शिवसेना ने दावा किया है। शिंदे के नेता संजय शिरसाट ने शनिवार को कहा कि प्रथा और परंपरा के अनुसार गृहमंत्री पद हमेशा उपमुख्यमंत्री के पास रहा है, इसलिए अगर उनके नेता को उपमुख्यमंत्री पद दिया जा रहा है तो गृहमंत्री पद भी दिया जाना चाहिए।

शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने पत्रकारों को बताया कि महाराष्ट्र में गठबंधन की सरकार में अब तक इतिहास रहा है कि जिस पार्टी का नेता मुख्यमंत्री रहता है, उसके पास गृहमंत्री पद नहीं रहता है। जबकि जिस दल का नेता उपमुख्यमंत्री रहता है, उसी के पास गृहमंत्री पद रहता है। शिरसाट ने कहा कि नई सरकार में इस प्रथा परंपरा का पालन किया जाना चाहिए और गृहमंत्री पद शिवसेना को देना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में नई सरकार के गठन में कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को दरकिनार करने की कोशिश की जा रही है। फिर भी एकनाथ शिंदे अपने मूलगांव सातारा से लौटने पर महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे।

गौरतलब है कि राज्य में विधानसभा की कुल 288 में से महायुति ने 230 सीटें जीती हैं। इनमें भाजपा 132 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, वहीं उसके सहयोगी शिवसेना और एनसीपी ने क्रमशः 57 और 41 सीटें हासिल की हैं। इसी वजह से सर्वाधिक विधायकों वाली पार्टी का मुख्यमंत्री और दो सहयोगी दलों को उपमुख्यमंत्री दिए जाने का फार्मूला पहले ही तय हो चुका है। जानकारी मिली है कि एकनाथ शिंदे गृहमंत्री पद के साथ उपमुख्यमंत्री पद चाह रहे हैं लेकिन भाजपा इसके लिए तैयार नहीं है। इसलिए एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री पद किसी अन्य विधायक को देने का भी विचार कर रहे हैं।

शिंदे बुखार से पीड़ित, चल रहा इलाज

मुंबई। महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तेज बुखार से पीड़ित हैं। शिंदे का इलाज उनके मूल गांव सातारा स्थित दरे गांव के आवास पर हो रहा है। डॉक्टरों की टीम ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। इसलिए शिंदे समूह के प्रवक्ता और पूर्व मंत्री दीपक केसरकर शनिवार को उनसे बिना मिले मुंबई लौट आए हैं। प्रवक्ता संजय शिरसाट ने तबीयत खराब होने की बात कही है।

सैन्य अभ्यास > भारत और सिंगापुर के सैनिकों का संयुक्त अभ्यास 'अग्नि वारियर' संपन्न

बहुराष्ट्रीय बल के रूप में आपसी समझ बढ़ना उद्देश्य

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय सेना और सिंगापुर सशस्त्र बलों का द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अग्नि वारियर-2024' शनिवार को महाराष्ट्र की फील्ड फायरिंग रेंज देवलाली में संपन्न हो गया।

सेना के अनुसार 28 नवम्बर को शुरू हुआ तीन दिन के अभ्यास में सिंगापुर सशस्त्र बलों की टुकड़ी ने भाग लिया, जिसमें सिंगापुर आर्टिलरी के 182 सैनिक शामिल थे और भारतीय सेना की ओर से आर्टिलरी रेजिमेंट के 114 सैनिकों ने भाग लिया।

इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत एक बहुराष्ट्रीय बल के रूप में संयुक्तता हासिल करने के लिए अभ्यास और प्रक्रियाओं की आपसी समझ को बढ़ाना था। अभ्यास में दोनों सेनाओं की तोपों द्वारा संयुक्त अग्नि शक्ति नियोजन, निष्पादन और नई पीढ़ी के उपकरणों के उपयोग का प्रदर्शन किया गया।

अभ्यास के दौरान आर्टिलरी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अदोश कुमार, स्कूल ऑफ आर्टिलरी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एनएस सरना और सिंगापुर सशस्त्र बलों के मुख्य तोपखाना अधिकारी कर्नल ओंग चिउ पेरंग मौजूद थे। गणमान्य व्यक्तियों ने पेशेवर कौशल और विशेषज्ञता के उच्च स्तर को प्रदर्शित करने के लिए भाग लेने वाले सैनिकों की सराहना की। इस अभ्यास में व्यापक संयुक्त तैयारी, समन्वय, एक-दूसरे की क्षमताओं की समझ, प्रक्रियाएं और भारतीय और सिंगापुर तोपखाने प्रक्रियाओं के बीच आम इंटरफेस का विकास शामिल था। यह सिंगापुर सशस्त्र बलों के सैनिकों द्वारा फायर पावर प्लानिंग की पेचीदगियों से अवगत कराने वाले सफल प्रशिक्षण की परिणति को चिह्नित करता है। दोनों पक्षों ने अभ्यास के दौरान आला तकनीकों का उपयोग किया और संयुक्त प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान किया।

अग्नि योद्धा अभ्यास का उद्देश्य

- दोनों सेनाओं की तोपखाना शाखा द्वारा संयुक्त अग्निशक्ति योजना, कार्यान्वयन और नई पीढ़ी के उपकरणों के उपयोग का प्रदर्शन करना।
- संयुक्त नियोजन प्रक्रिया के भाग के रूप में संयुक्त कंप्यूटर युद्ध-खेल में दोनों पक्षों की भागीदारी को शामिल करना।
- तोपखाने में आधुनिक प्रवृत्तियों और तोपखाने नियोजन प्रक्रिया के परिशोधन पर विशेषज्ञ अकादमिक चर्चा आयोजित करना।
- अभ्यास एवं प्रक्रियाओं की आपसी समझ को बढ़ाने तथा दोनों सेनाओं के बीच अंतरसंचालनीयता में सुधार लाने के उद्देश्य को प्राप्त करना।
- आपसी विश्वास और सौहार्द को बढ़ावा देना तथा क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना।

अरविंद केजरीवाल पर युवक ने फेंका तरल पदार्थ, गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर शनिवार को एक व्यक्ति ने ग्रेटर कैलाश इलाके में पदयात्रा के दौरान तरल पदार्थ फेंक दिया। इसके तुरंत बाद ही सुरक्षा कर्मियों ने उस व्यक्ति को दबोच लिया और आसपास खड़े कार्यकर्ताओं ने उसकी पिटाई कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है।

घटना के बाद केजरीवाल पीछे हटे और अपने कपड़ों को सूंघने लगे। बाद में पुलिस ने उस व्यक्ति को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। आआपा नेता एवं दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल पर अक्सर इस तरह के हमले होते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की केन्द्र सरकार केजरीवाल को सुरक्षा प्रदान करने में नाकाम रही है।

दिल्ली पुलिस का कहना है कि हिरासत में लिये गए व्यक्ति का नाम अशोक झा है। वह खानपुर डिपो में बस मार्शल के तौर पर तैनात है। पुलिस के अनुसार फेंका गया तरल पदार्थ पानी था।

नीतिगत क्रियान्वयन, भारत और सहकारिता आंदोलन

शाजी केवी साझा आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समावेशी विकास रणनीति 'सहकार से समृद्धि' के देश में अब तक काफी कारगर नतीजे सामने आए हैं। स्वतंत्रता से पहले के दौर में अगर हम भारत में सहकारिता आंदोलन की उत्पत्ति को देखें तो पाएंगे कि इसकी शुरुआत किसानों की गरीबी कम करने की चुनौती से हुई थी, जिसका मुख्य कारण बार-बार पड़ने वाला सूखा और साहूकारों की सूदखोरी प्रवृत्ति था। एनएएफआईएस, 2021-22 के अनुसार यह काफी प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण सहकारी ऋण संस्थानों के माध्यम से केंद्र सरकार की निरंतर और लक्षित वित्तीय समावेशी पहलों के कारण, ग्रामीण परिवारों की साहूकारों और जमींदारों पर निर्भरता अब घटकर मात्र 4.2 प्रतिशत रह गई है।देश में सहकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने वाली प्रारंभिक शक्तियां भले ही अब कमज़ोर पड़ रही हों, लेकिन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस समय कई नई और जटिल उभरती चुनौतियां हैं, जिनके लिए सहकारी आंदोलन को नई दिशा और उस पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सभी के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित हो सके। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सपना देखा है, उसी के अनुरूप देश 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।इन नई चुनौतियों में किसानों की आय बढ़ाने से लेकर एक कुशल ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला हासिल करना, स्थायी आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति को कम करना, कृषि के अलावा अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करना, कृषि उत्पादकता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले प्रयासों को बढ़ाना और डिजिटल क्षेत्र में अवसरों का लाभ उठाना शामिल है। सहकारी संस्थाएं अपने मजबूत स्थानीय ज्ञान, पूर्व की घटनाओं से अनुभव हासिल कर भविष्य की नई योजनाएं, संपर्क कार्यक्रम बनाने तथा इन्हें मजबूत करने की क्षमता और नए कारोबारी माहौल के अनुरूप ढलने के कारण इन चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हो सकती हैं। सहकारी संस्थाओं के लिए मददगार नीतियां बनाने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र महासभा की 'सामाजिक विकास में सहकारी समितियों पर रिपोर्ट' (जुलाई 2023) से जानकारी प्राप्त करना उपयोगी हो सकता है, जो इस बात पर जोर देती है कि "सहकारी समितियां बाजार संबंधी विफलताओं से निपटने, हाशिए पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने, रोजगार के अवसर बढ़ाकर सतत विकास को सहारा देकर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं"। यह रिपोर्ट सहकारी समितियों के लिए एक उद्यमी प्रक्रियागत दृष्टिकोण की सिफारिश करती है, जो एक स्थानीय माहौल में आपस में जुड़े हुए नेटवर्क के माध्यम से सभी हिस्सेदारों को जोड़ती है।भारत के सहकारी क्षेत्र में दूध और चीनी के क्षेत्रों में मिली अपार सफलता केवल एकीकृत दृष्टिकोण के महत्व को ही प्रमाणित करती है। इसका एक और अन्य सफल उदाहरण भारत की सबसे पुरानी श्रमिक सहकारी संस्था- उरालुंगल लेबर कॉन्ट्रैक्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी का है, जो बुनियादी ढांचे से जुड़ी है और इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर रही है। यह वैकल्पिक उद्यमशीलता मॉडल का एक अनूठा उदाहरण है। यहां सहकारिता के दो विशिष्ट पहलुओं का उल्लेख करना आवश्यक है: पहला, 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' का महत्व- जब उरालुंगल को एक सड़क परियोजना हेतु लिए गए भारी कर्ज की किश्तें चुकानी थीं, तो उसने 38 प्राथमिक सहकारी समितियों का एक संघ बनाया और उनकी मदद से यह भारी राशि जुटा सकी, जिससे उसकी साख भी बनी रही और साथ ही उसका विस्तार भी हुआ। दूसरा, निजी फर्मों के विपरीत, संकट की स्थिति में एक श्रमिक सहकारी समिति द्वारा रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह के शानदार नेतृत्व में सरकार में एक नए सहकारिता मंत्रालय के गठन के परिणामस्वरूप सहकारी समितियों के लिए भारत में हाल की नीतियों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उभरती चुनौतियों की व्यापक और जटिल प्रकृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। इस तरह के कुछ बड़े प्रयासों में कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) का गठन, इसे कंप्यूटरीकृत करना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन और पैक्स के लिए खुदरा पेट्रोल/डीजल आउटलेट/एलपीजी वितरण अधिकार, सहकारी क्षेत्र में गोदामों का व्यापक नेटवर्क, मत्स्य किसान उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) का गठन, शामिल नहीं की गई पंचायतों में नए बहुउद्देशीय पैक्स/डेयरी/मत्स्य सहकारी समितियां और पैक्स के लिए मॉडल उप-नियम शामिल हैं।राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), सहकारी समितियों के लिए अपने बहुस्तरीय और गतिशील रूप से उत्तरदायी सहयोगात्मक ढांचे के साथ, मंत्रालय के मार्गदर्शन में, सतत प्रक्रिया के रूप में नीति क्रियान्वयन से जुड़े लोगों को सक्षम बनाता है जिसमें (अ) ग्रामीण सहकारी बैंकों को पुनर्वित्तपोषण का प्रावधान, कृषि, संबद्ध क्षेत्रों और ग्रामीण गैर-कृषि गतिविधियों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऋण देने के लिए उनके संसाधनों में पूर्ति करना, (ब) सहकारी विकास निधि के माध्यम से विकासात्मक समर्थन और वित्तीय समावेशन निधि के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, (स) नीति और कार्यान्वयन समर्थन, जैसे पैक्स का कम्प्यूटरीकरण और 300 से अधिक ई-सेवाएं प्रदान करने वाले सामान्य सेवा केंद्रों के रूप में पैक्स का कार्यान्वयन, और (द) वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने के लिए पर्यवेक्षण जैसे प्रयास शामिल हैं।नाबार्ड सहकारी समितियों को एक-दूसरे के तुलनात्मक लाभों से लाभान्वित करने की सुविधा प्रदान कर इस आंदोलन को मजबूत करने के लिए 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' को बढ़ावा दे रहा है। इस पहल में वित्तीय पक्ष से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बिंदु- सहकारी समितियों और उनके सदस्यों के मौजूदा बैंक खातों को विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों में समेकित करना और उन्हें एक केंद्रीकृत जिला/राज्य सहकारी के तहत रखना होगा, जिससे सहकारी प्रणाली के संसाधन प्रणाली के भीतर ही बने रहेंगे।भविष्य में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में नीतिगत तौर पर ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। हाल के वर्षों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमत में बढ़ोतरी के कारण दुग्ध क्षेत्र की तर्ज पर इन तीनों वस्तुओं के लिए अधिक से अधिक किसान उत्पादक संगठनों का गठन और एक एकीकृत आपूर्ति शृंखला मदद कर सकती है। आंतरिक तौर पर पूंजी निर्माण या सहकारी समितियों की आय को उनके भीतर ही बनाए रखना इन समितियों के विस्तार और आधुनिकीकरण की योजना बनाने में मददगार साबित हो सकता है। यह उत्पादकता और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के बढ़ते महत्व को देखते हुए उपयोगी होगा। उपलब्ध कृषि योग्य भूमि के पीढ़ी दर पीढी बंटवारे को देखते हुए बागवानी फसलों की बिक्री से होने वाले लाभों के मद्देनजर विशेष रूप से बहु-राज्य सहकारी समितियों को उत्पादकों का एक व्यापक नेटवर्क बनाने की आवश्यकता हो सकती है। यह लागत को कम करने और उनकी मोलभाव करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है। भूमि स्वामित्व पर किसी भी जोखिम के बिना सहकारी समितियों द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि पूलिंग जैसे क्षेत्रों पर ध्यान दे सकती है।डब्ल्यूटीओ के अनुरूप प्रसंस्कृत उत्पाद एक मजबूत कृषि-निर्यात उत्पाद क्षेत्र बनाने में मदद करने, तकनीक अपनाने, अधिक पारदर्शिता के साथ व्यापार करने में आसानी; प्रशिक्षण के माध्यम से क्षमता निर्माण और उद्यमी कारोबारी तंत्र के विभिन्न हिस्सों के रूप में कृषि स्टार्ट-अप के साथ अंतर्संबंधों को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता होगी। वित्तीय संसाधनों तक पहुंच को उत्कृष्टता संबंधी प्रदर्शन से जोड़ा जाना चाहिए, जिसके लिए संसाधनों और उत्कृष्टता परिणामों के अंतिम उपयोग की जानकारी के साथ एक मजबूत डेटा बेस विकसित करने की आवश्यकता होगी।

सही रास्ता अपनाने की जरूरत

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए एड्स आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एचआईवी संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 01 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है, जो इस वर्ष टेक द राइट पाथ (सही रास्ता अपनाएं) विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयॉर्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब

गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति एड्स कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सूई द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरुकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरुकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरुकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरुकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिए। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है।

एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित यौन संबंध एवं अन्य आवश्यक सावधानी के लिए भी प्रेरित करना होगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विश्व एड्स दिवस, जागरूकता ही बचाव है!

देवानंद राय

एक दिसंबर को पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है यह दिवस मनाते जाने का उद्देश्य है लोगों को एड्स के प्रति जागरूक करना है। जागरूकता के तहत लोगों को एड्स के लक्षण, इससे बचाव, उपचार, कारण इत्यादि के बारे में जानकारी दी जाती है।एड्स एक ख़तरनाक रोग है, मूलतः असुरक्षित यौन संबंध बनाने से एड्स के जीवाणु शरीर में प्रवेश कर जाते हैं इस दिवस को मनाए जाने के इतिहास की ओर नजर डालें तो पता चलता है कि विश्व एड्स दिवस की कल्पना सबसे पहले अगस्त 1987 में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में विश्व स्वास्थ्य संगठन में एड्स पर वैश्विक कार्यक्रम के दो सार्वजनिक सूचना अधिकारियों जेम्स डब्ल्यू. बून और थॉमस नेट्टर द्वारा की गई थी। फिर 1988 में विश्व एड्स दिवस की शुरूआत 1 दिसंबर को हुई जिसका उद्देश्य, एचआईवी एड्स से ग्रसित लोगों की मदद करने के लिए धन जुटाना, लोगों में एड्स को रोकने के लिए जागरूकता फैलाना और एड्स से जुड़े मिथ को दूर करते हुए लोगों को शिक्षित करना था। दरअसल, विश्-व एड्स दिवस आपको याद कराता है कि ये बीमारी अभी भी हमारे-आपके बीच है और इसे लगातार खत्म की कोशिशों में आपको भी आगे आना होगा। विश्व एड्स दिवस का प्रतीक चिन्ह रेड रिबन के रूप में पूरी दुनिया में प्रचलित है। जिसका अर्थ है एचआईवी पॉजिटिव लोगों के साथ एकजुटता और एड्स के साथ जी रहे लोगों के लिए वैश्विक प्रतीक। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व एड्स दिवस, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा चिह्नित ग्यारह आधिकारिक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है। एड्स का पूरा नाम 'एक्वायर्ड इम्यूलनो डेफिसिएंशी सिंड्रोम' है और यह एक तरह का विषाणु है, जिसका नाम एचआईवी उसके कारण होता है।यह हमारे शरीर के प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाकर, बीमारी से लड़ने की क्षमता को काफी कमजोर कर देता है। यौन संचारित संक्रमण (एसटीआई) के अलावा ये संक्रमण संक्रमित रक्त के चढ़ाने, संक्रमित व्यक्ति को लगे इंजेक्शन के उपयोग से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है। गर्भावस्था, प्रसव या स्तनपान के दौरान मां से इसके बच्चे में भी होने का खतरा होता है। हम सभी जानते हैं कि एड्स एक जानलेवा बीमारी है। जिसका इलाज अभी तक पूर्ण रूप से खोज नहीं जा सका है इस कारण इससे पीड़ित लोगों को सहयोग और समर्थन देने के लिए प्रत्येक वर्ष इस दिवस को मनाने की एक थीम रखी जाती है।इस वर्ष का थीम टेक द राइट पाथ : माय हेल्थ, माय राइट अर्थात सही मार्ग चुने : मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े के अनुसार वर्ष 2021 तक 38.4 मिलियन लोग एचआईवी से पीड़ित है जिनमें से 1.7 मिलियन बच्चे हैं तथा उनमें से मात्र 52 प्रतिशत बच्चे ही जीवन रक्षक उपचार को पा रहे हैं यह एक नई समस्या की ओर संकेत कर रहा है। यूनाइटेड नेशन एड्स का लक्ष्य है कि 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य स्वास्थ्य खतरों से समाप्त करना।एचआईवी संक्रमण वर्तमान में लाइलाज है, लेकिन इस बीमारी के बारे में अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ इसे नियंत्रित किया जा सकता है। यूएनएड्स (एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम) के एक अनुमान के अनुसार 2025 तक वैश्विक स्तर पर नए एचआईवी संक्रमण और एड्स से संबंधित मौतों में प्रति एक लाख जनसंख्या पर क्रमशः 4.4 और 3.9 की गिरावट आएगी, इसके बाद 2030 तक दोनों में नब्बे प्रतिशत की कमी आएगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे विश्व में वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसमें शिक्षा, उपचार और रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया जाएगा। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार 2022 के एक आंकड़े यह बदलते हैं कि 2022 में, 10 से 24 वर्ष की आयु के 480,000 युवा एचआईवी से संक्रमित हुए, जिनमें से 140,000 10 से 19 वर्ष की आयु के बीच के किशोर थे। एड्स को खत्म करने का लक्ष्य हमारे वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों 2030 से भी जुड़ा हुआ है। एड्स रोग में अपने देश की स्थिति की बात करें तो यूनाइटेड नेशन एड्स के अनुसार, 2021 में भारत में अनुमानित 2.4 मिलियन लोग एचआईवी के साथ रह रहे थे जिसमें सत्तर हजार बच्चे हैं। राज्यवार रोगियों की संख्या देख तो यह पता चलता है कि इस बीमारी के रोगी सर्वाधिक महाराष्ट्र में, इसके बाद आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में है। इस दिवस पर हम सभी नागरिकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि हम एचआईवी/एड्स के बारे में लोकल लेवल पर जागरूकता फैलाने में मदद करें,एड्स से प्रभावित लोगों को समर्थन करने वाले संगठनों को दान दे सकते हैं।समुदाय में एड्स से प्रभावित लोगों को स्वीकार करने के लिए समावेशी माहौल बना सकते हैं।भारत में एचआईवी का पहला मामला 1986 में सामने आया था। परंतु 1990 की शुरुआत में एचआईवी के मामलों में अचानक वृद्धि दर्ज की गई, जिसके बाद भारत सरकार ने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की स्थापना की।यद्यपि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, फिर भी एड्स प्रभावित व्यक्ति एक सामान्य जीवन जी सकता है।

हेमंत सरकार : मंत्रिमंडल गठन से पहले पारिवारिक और सियासी संतुलन की चुनौती

विनय कुमार तिवारी

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ ले ली है, लेकिन मंत्रिमंडल का गठन अभी तक लंबित है। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद के गठबंधन वाली सरकार के मंत्रिमंडल के स्वरूप को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री के परिवार से उनके भाई बसंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन भी विधायक हैं, जिससे सियासी समीकरण और जटिल हो गए हैं। ऐसे में, यह सवाल अहम हो गया है कि गठबंधन के भीतर सत्ता संतुलन कैसे बनेगा, और क्या मुख्यमंत्री के परिवार के किसी सदस्य को मंत्रिमंडल में स्थान मिलेगा? झारखंड की विधानसभा में इस बार कई ऐसे विधायक हैं, जो दूसरी बार चुने गए हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं जो पांचवीं बार विधायक बने हैं। वरिष्ठ विधायकों की बड़ी संख्या के कारण मंत्री पद की दावेदारी और भी कठिन हो गई है। ये वरिष्ठ विधायक अपनी राजनीतिक अनुभव और क्षेत्रीय पकड़ के आधार पर मंत्रिमंडल में स्थान मांग रहे हैं। दूसरी ओर, नए विधायकों की महत्वाकांक्षा और उत्साह भी मंत्रिमंडल गठन में एक नयी चुनौती पेश कर रहा है। हेमंत सोरेन के भाई बसंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन के विधायक होने के चलते यह चर्चा हो रही है कि परिवार के किसी सदस्य को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी या नहीं। बसंत सोरेन का पार्टी में प्रभाव और उनकी सक्रियता उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाती है। कल्पना सोरेन, जो राजनीतिक रूप से अपेक्षाकृत नयी हैं, भी चर्चा का हिस्सा हैं। यदि परिवार के किसी सदस्य को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाता है, तो इससे पार्टी के अन्य वरिष्ठ विधायकों में असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। गठबंधन के भीतर शक्ति-संतुलन बनाए रखना हेमंत सोरेन के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। झामुमो, गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, अधिकतम मंत्रालय अपने पास रखना चाहेगी। कांग्रेस, जो गठबंधन में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है, अपनी हिस्सेदारी को लेकर आक्रामक है। कांग्रेस विधायकों का कहना है कि उनकी पार्टी ने सरकार बनाने में अहम भूमिका निभाई है, इसलिए उन्हें महत्वपूर्ण मंत्रालय मिलने चाहिए। वहीं, राजद का छोटा लेकिन प्रभावी प्रतिनिधित्व है, और वह भी सरकार में अपनी जगह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय है।

मंत्रिमंडल गठन में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन भी एक बड़ी चुनौती है। झारखंड की राजनीति में आदिवासी, दलित, पिछड़े और अन्य समुदायों का प्रतिनिधित्व हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है। इस बार भी इन समुदायों के बीच संतुलन साधने की जरूरत है। झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों जैसे संताल परगना, कोल्हान, पलामू और उत्तरी झारखंड से विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह देकर क्षेत्रीय संतुलन बनाना जरूरी होगा। वरिष्ठ विधायकों की बड़ी संख्या के बीच, पहली या दूसरी बार चुने गए विधायकों की महत्वाकांक्षा को संतुलित करना आसान नहीं होगा। कुछ विधायक दूसरी बार जीतकर मंत्रिमंडल में स्थान की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि कुछ पांचवीं बार चुने गए हैं और अपने अनुभव के आधार पर दावा मजबूत कर रहे हैं। इस बार झामुमो के कई वरिष्ठ विधायक हैं, जो पार्टी में लंबे समय से सक्रिय हैं। इनमें से कई पांचवीं बार विधायक बने हैं, जैसे कि संताल परगना और कोल्हान क्षेत्र के कद्दावर नेता। उनके अलावा, कांग्रेस के कई विधायकों ने दूसरी बार जीत हासिल की है और अपनी नयी ऊर्जा और योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए मंत्री पद चाहते हैं। राजद के विधायक भी मंत्री बनने के लिए जोर लगा रहे हैं। हेमंत सोरेन सरकार के मंत्रिमंडल गठन में परिवार की उपस्थिति और गठबंधन के भीतर मांगों के अलावा विपक्ष का दबाव भी एक बड़ा कारक है। भाजपा और अन्य विपक्षी दल पहले से ही सरकार पर 'परिवारवाद' का आरोप लगा रहे हैं। अगर हेमंत सोरेन अपने परिवार से किसी को मंत्री बनाते हैं, तो यह विपक्ष को सरकार पर हमला करने का बड़ा मौका देगा। भाजपा इसे लेकर राज्य में व्यापक आंदोलन की तैयारी कर रही है। मंत्रिमंडल गठन में पारदर्शिता और क्षमता को प्राथमिकता देना सरकार की साख के लिए जरूरी है। झारखंड के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में लोग सरकार से बड़े बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आदिवासी अधिकार जैसे मुद्दों पर ठोस योजनाओं के लिए सक्षम मंत्रियों की जरूरत है। लेकिन अगर मंत्रिमंडल गठन में परिवारवाद या केवल गठबंधन की राजनीति को तरजीह दी गई, तो यह सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। हेमंत सोरेन के लिए यह मंत्रिमंडल गठन केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह उनके नेतृत्व की पहली बड़ी परीक्षा भी है। राज्य की जनता मंत्रिमंडल गठन को सरकार की प्राथमिकताओं और उनके विकास के विजन के तौर पर देख रही है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मुख्यमंत्री इन तमाम चुनौतियों को कैसे संभालते हैं और झारखंड के लिए एक मजबूत और स्थिर सरकार का निर्माण करते हैं। मंत्रिमंडल गठन में संतुलन साधना हेमंत सोरेन के लिए कठिन तो है, लेकिन यह उनकी सरकार की स्थिरता और सफलता के लिए बेहद जरूरी है। अगर वे परिवार, पार्टी और गठबंधन के भीतर सामंजस्य स्थापित कर पाते हैं, तो यह झारखंड के विकास और उनकी सरकार की स्थिरता के लिए सकारात्मक संकेत होगा।

धर्म परिवर्तन कर आरक्षण का लाभ उठाने की प्रवृत्ति खतरनाक

मनोज कुमार अग्रवाल

धर्म परिवर्तन बड़ी चुनौती बनकर सामने आ रही है। ईसाई और इस्लाम धर्म में विश्वास रखने वाले धर्म गुरु सनातन धर्म में विश्वास रखने वालों को अपने धर्म में लाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद की नीति अपनाकर चल रहे हैं। आरक्षण का लाभ केवल हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले दलित व पिछड़े वर्ग के लिए ही है। लेकिन लोभ या लालच में आकर इसी वर्ग के अधिकतर लोग धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। पंजाब में ऐसे एक नहीं अनेक लोग आप को मिल जाएंगे जो हैं तो पिछड़े व दलित वर्ग से हैं और कईयों ने आरक्षण का लाभ भी ले रखा है। लेकिन अपने नाम के साथ मसीह भी लगाते हैं, क्योंकि ऐसा करने से उन्हें कान्वेंट स्कूलों और मिशनरी अस्पतालों में मुफ्त या कम खर्च पर बच्चे को शिक्षा व सभी को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं मिलती हैं। देश के उच्चतम न्यायालय ने एक ऐसे ही मामले की सुनवाई करते हुए कहा है कि 'सच्ची आस्था के बिना धर्म परिवर्तन करना संविधान के साथ धोखा है।' जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने महिला सी. सेल्वारानी की याचिका पर 26 नवंबर को यह फैसला सुनाया। साथ ही मद्रास हाई कोर्ट का 24 जनवरी का फैसला बरकरार रखा, जिसमें उसने सेल्वारानी को अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाणपत्र देने से इन्कार कर दिया था। याचिकाकर्ता ने ईसाई धर्म अपनाया था, लेकिन बाद में नौकरी पाने के लिए हिंदू होने का दावा किया था। फैसले में जस्टिस महादेवन ने कहा कि अनुच्छेद-25 के तहत प्रत्येक नागरिक को पसंद के धर्म का पालन करने और मानने का अधिकार है। कोई भी व्यक्ति दूसरा धर्म तभी अपनाता है जब वह उसके सिद्धांतों, मतों एवं आध्यात्मिक विचारों से प्रेरित होता है। अगर मतांतरण का उद्देश्य दूसरे धर्म में वास्तविक आस्था न होकर आरक्षण प्राप्त करना है तो इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसे छिपे उद्देश्यों वाले लोगों को आरक्षण

का लाभ देने से आरक्षण नीति का सामाजिक उद्देश्य निष्फल हो जाएगा। साक्ष्यों से स्पष्ट है कि अपीलकर्ता ईसाई धर्म को मानती हैं और नियमित रूप से चर्च जाती है। इसके बावजूद वह हिन्दू होने का दावा करती है और नौकरी पाने के लिए एससी प्रमाणपत्र मांग रही है। उसका यह दोहरा दावा अस्वीकार्य है और ईसाई धर्म की दीक्षा लेने (बपतिस्मा) के बाद वह खुद की हिन्दू पहचान जारी नहीं रख सकती। गौरतलब है कि याचिकाकर्ता महिला सेल्वारानी का जन्म हिंदू पिता और ईसाई मां के यहां हुआ। जन्म के कुछ समय बाद ही उसका ईसाई के रूप में बपतिस्मा कर दिया गया था। बाद में उसने हिंदू होने का दावा किया और वर्ष 2015 में पुडुचेरी में अपर डिवीजन क्लर्क पद के लिए आवेदन करने को एससी प्रमाणपत्र की मांग की। दस्तावेजी साक्ष्यों से महिला के ईसाई होने की पुष्टि हुई। उसके पिता वल्लुवन जाति (एससी) से हैं। वल्लुवन जाति को सुप्रीम कोर्ट के आदेश, 1964 के तहत एससी की मान्यता प्राप्त है। सुप्रीम

कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि अपीलकर्ता महिला ने ईसाई धर्म का पालन जारी रखा, लिहाजा उसका हिंदू होने का दावा स्वीकार करने के योग्य नहीं है। जब अपीलकर्ता की मां ने शादी के बाद हिंदू धर्म अपना लिया था तो उसे अपने बच्चों का चर्च में बपतिस्मा नहीं कराना चाहिए था। इसके साथ ही यह बात भी सत्यापित हुई है कि अपीलकर्ता के माता-पिता का विवाह भारतीय ईसाई विवाह अधिनियम, 1872 के तहत पंजीकृत हुआ था। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि तथ्यों के निष्कर्षों में कोई भी हस्तक्षेप अनुचित है, जब तक निष्कर्ष इतने विकृत न हो कि अदालत की अंतरात्मा को झकझोर दें। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाले लोग अपनी जातिगत पहचान खो देते हैं। ऐसे में अनुसूचित (एससी) जातियों को मिलने वाले लाभ पाने के लिए उन्हें पुनः मतांतरण और मूल जाति में स्वीकार्यता के साक्ष्य उपलब्ध कराने होंगे। याचिकाकर्ता महिला ने दोबारा हिंदू धर्म को अपनाने का दावा किया है, लेकिन उसके दावे के पीछे सार्वजनिक घोषणा समारोहों या विश्वसनीय दस्तावेज का अभाव है। रिकार्ड में ऐसा कुछ भी नहीं है जो दर्शाता हो कि उसने या उसके परिवार ने पुनः हिंदू धर्म को अपना लिया है।

पंजाब में ही नहीं देश के अन्य प्रदेशों में धर्म परिवर्तन कराने का कार्य निरंतर चलता आ रहा है। स्थानीय स्तर पर जब कोई विरोध की आवाज उठती है तो धर्म परिवर्तन का सिलसिला कुछ देर के लिए धीमा हो जाता है। कुछ समय बीतने के बाद फिर तेज हो जाता है। पंजाब में सीमावर्ती गांवों में केसधारी मसीह बहुत मिल जाएंगे। यही स्थिति दोआबा व मालवा की भी है।इस तरह से अब धर्मपरिवर्तन के बाद भी आरक्षण का लाभ उठा रहे लोगों पर लगाम लगाने की व्यवस्था की स्थापना की गई है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

सुभाष, गौरी, वीर मलेशिया और सिंगापुर जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप खेलने जाएंगे

चमकता राजस्थान। जयपुर। रेडटोन के एल इंटरनेशन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप कोला लम्पुर, मलेशिया 3 से 8 दिसंबर 2024 में हो रही हैं को टीवीच खांगा राम चौधरी ने बताया कि इस टूर्नामेंट में गुलाबी नगरी जयपुर , राजस्थान,(इंडिया)के सुभाष चौधरी बॉयज अंडर 17 में 5 वी सीडिंग दी गई हैं और गर्ल्स अंडर 15 में गौरी जायसवाल को 17 वी सीडिंग दी गई है और बॉयज अंडर 11 में वीर श्रृंगी को 8 वी सीडिंग दी गई है

ऑन्कोकेर सिंगापुर जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप 10 से 15 दिसंबर 2024 सिंगापुर में सुभाष चौधरी बॉयज अंडर 17 में प्रथम सीडिंग दी गई हैं एवं गौरी जायसवाल गर्ल्स अंडर 15 में 11वी सीडिंग दी गई हैं और बॉयज अंडर 11 में वीर श्रृंगी को प्रथम सीडिंग दी गई है।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को यूथ आइकॉन पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा

- **31 दिसम्बर, 2024 तक लिये जायेगें ऑनलाइन आवेदन - डॉ. नीरज कुमार पवन**

चमकता राजस्थान। जयपुर। राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2024-25 बिन्दु संख्या 67 ''राष्ट्रीय युवा पुरस्कार "Rajasthan Youth Icon Award" की क्रियान्विति हेतु विभिन्न क्षेत्रों उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं की खोज करके चयनित युवाओं को 12 जनवरी, 2025 में युवा आइकॉन पुरस्कार दिया जायेगा।

शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया की राज्य के 15 से 29 आयुवर्ग के युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले (कला व संस्कृति,सामाजिक कार्य, विज्ञान संचार एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा , कृषि, पर्यावरण, उद्यमिता, महिला सशक्तिकरण तथा स्वच्छता) को ''राजस्थान यूथ आइकॉन अवार्ड'' (नकद राशि, एक मेडल एवं एक प्रमाण-पत्र) से सम्मानित किया जाना है। राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइड पर पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया जा रहे है।

अभिभावकों तथा एसडीएमसी के सदस्यों ने विद्यालय की व्यवस्थाओ को देखा

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी में स्थानीय निवासी एवं अभिभावक अभिषेक यादव (युवा कोंग्रेस नेता) एवं एसडीएमसी के सदस्य वार्ड मेंबर आकाश ने विद्यालय की व्यवस्थाओं को देखा। पुस्तकालय, प्रयोगशाला और कंप्यूटर कक्ष को देखकर खुशी व्यक्ति की। वार्ड मेंबर आकाश ने रसायन विज्ञान प्रयोगशाला में स्वयं एक छोटा सा प्रयोग करके देखा। यह विद्यालय परीक्षा परिणाम और नामांकन की दृष्टि से श्रेष्ठ है। इस विद्यालय में वर्तमान सत्र में 2450 विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। विद्यालय में कला, विज्ञान, कृषि विज्ञान, ड्राइंग, होम साइंस, कॉमर्स सभी विषय संचालित हैं।व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत रिटेल और सिक्योरिटी विषय संचालित हैं। विद्यार्थी नियमित रूप से प्रयोगशाला में प्रयोग करते हैं तथा पुस्तकालय में भी जाते हैं। इस मौके पर युवा कांग्रेस नेता अभिषेक यादव, वार्ड पार्षद आकाश यादव , प्राचार्य हरिओम सिकरवार, सुनील जाट, हिमांशु यादव आदि मौजूद रहे।

सडक हादसे में तीन जनें घायल, दो घायल जिला चिकित्सालय रैफर

चमकता राजस्थान/नदबई,(राजवीर सिंह)। नदबई क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसे में एक किशोर सहित तीन जनें घायल हो गए। घायलों को उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में किशोर सहित एक घायल को जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया। सूत्रों के अनुसार उच्चैन निवासी जोगेन्द्र पुत्र रामकिशन अपनी बाइक लेकर जा रहा। इसी दौरान कस्बे में वेयर हाउस चौराहा के समीप असंतुलित होकर साईकिल से टकरा गया। जिसके चलते बाइक सवार जोगेन्द्र सहित साईकिल सवार गांव रौनीजा निवासी प्रिंस पुत्र जयपाल सिंह घायल हो गया। समीपवर्ती लोगों ने घायलों को उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में गंभीर स्थिति होने पर दोनों घायलों को जिला चिकित्सालय रैफर कर दिया गया।

उधर, नदबई-जनूथर मार्ग पर गांव मांझी के समीप बाइक असंतुलित होकर गिरने से पचौरा निवासी नटवर सिंह पुत्र रणवीर सिंह घायल हो गया। घायल युवक बाइक से अपने गांव जा रहा। इसी दौरान हादसा होने से घायल हो गया। बाद में घायल को उपजिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

कामयाबी केवल सतत परिश्रम से हासिल होती है : अभिषेक सिद्ध

तालीमी कांफ्रेंस में दिया गया शिक्षा की बेहतरी पर जोर

मुस्लिम समाज के विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के युग में खुद को स्थापित करना होगा : अशफाक हुसैन

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजधानी जयपुर के शास्त्री नगर स्थित साइंस पार्क ऑडिटोरियम में शनिवार को मदरसा जामिया तय्यबा मेमोरियल स्कूल, नाहरी का नाका, जयपुर के बैनर तले तालीमी कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। तालीमी कांफ्रेंस में कई आरएएस ० आईएएस अधिकारी, शिक्षाविद एवं विद्वान लोग शामिल हुए। कांफ्रेंस में मुस्लिम समाज के उत्थान व शिक्षा की बेहतरी पर बारीकी से मंथन किया गया। इस बैठक में शहर सहित आस पास के प्रबुद्ध लोगों ने शिरकत की। कांफ्रेंस की अध्यक्षता शहर के प्रमुख शिक्षाविद सय्यद अनवर शाह एवं रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अशफाक हुसैन ने की ० विशिष्ट अतिथि जयपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध रहे। कॉन्फ्रेंस में हाल ही में नवचयनित आरजेएस अधिकारी सना चौहान का सम्मान किया गया। कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अशफाक हुसैन ने मुस्लिम समाज के बच्चे बच्चियों को उच्च शिक्षा हासिल करने एवं इनके अभिभावकों के साथ समाज के लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की बात कही। कॉन्फ्रेंस में सभी अतिथियों ने शिक्षा की महत्वपूर्णता पर जोर डाला। मुस्लिम समाज के बच्चे बच्चियों के ड्रॉपआउट पर चिंता व्यक्त की। इस मौके पर कॉन्फ्रेंस में मदरसा जामिया के होनहार छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया गया। मदरसा जामिया तय्यबा के संचालक कारी मोहम्मद इस्हाक ने कॉन्फ्रेंस में आगंतुक अतिथियों के साथ छात्र/छात्राओं व इनके अभिभावकों की गरिमामय उपस्थिति का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का स्कूल कमेटी की ओर से गुलपोशी द्वारा सम्मान किया गया वहीँ मंच संचालन शाहनवाज़ लाला ने किया। इस अवसर पर जनमानस न्यूज़ के एडिटर डॉ अब्दुल रहीम ने भी समाज की बेहतरी के लिए तालीम को बढ़ावा देने इत्यादि बारीकियों पर विचार रखें। तालीमी कांफ्रेंस में अभिवावकों एवं छात्र -छात्राओं को संबोधित करते हुए जयपुर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अभिषेक सिद्ध ने बताया कि शिक्षा केवल हमें केवल बड़ा अधिकारी या शिक्षक नहीं बनाती, शिक्षा हमें जीवन जीना सिखाती है। उन्होंने बताया कि सफलता के लिए मुख्यतः तीन चीजें होती हैं, सबसे पहले हमारा एक लक्ष्य होना चाहिए। जब तक हमारा लक्ष्य तय नहीं होगा तब तक हम उसे दिशा में प्रयास नहीं कर सकते। उसके बाद दूसरी चीज आती है सतत परिश्रम करना। कठोर परिश्रम तो जरूरी है ही साथ में सतत परिश्रम और सतत प्रयास करना भी बेहद जरूरी है। अधिकतर लोग इसलिए असफल नहीं होते कि उनमें प्रतिभा की कमी होती है बल्कि वह असफल इसलिए होते हैं कि वह सतत परिश्रम नहीं करते। उन्होंने थॉमस अल्वा एडिसन का उदाहरण देते हुए किया कि उन्हें 99 बार असफलता मिली लेकिन उन्होंने प्रयास करना नहीं छोड़ा आखिर 100वीं बार उन्होंने बल्ब बना कर साबित कर दिया के निरंतर परिश्रम से कामयाबी हासिल कि जा सकती है। तीसरा एवं महत्वपूर्ण बिंदु है आत्मविश्वास, जिस प्रकार छाता बारिश से तो नहीं बचा सकता लेकिन बारिश में खड़े होने का हौसला ज़रूर दे सकता है उसी प्रकार आत्मविश्वास सफलता की गारंटी नहीं देता लेकिन सफलता की दिशा में प्रयास करने का हौसला अवश्य देता है और आत्मविश्वास छोटी-छोटी सफलताएं प्राप्त करके आता है। अच्छा जीवन जीने के लिए हमें शिक्षा के साथ-साथ अपने अंदर अच्छे गुणों का विकास भी करना होगा। अपने बच्चों को अच्छे संस्कार सिखाएं अपने बच्चों को सिविक साइंस या नागरिक शिष्टाचार सिखाएं। इस दौरान कार्यक्रम में नईम रब्बानी, शहजाद खान (आगाज फाउंडेशन), डॉ तनवीर, रजिया सुल्ताना, प्रिया खान, अमीन कायमखानी, शाहनवाज लाला, डॉ. अब्दुल रहीम, फरहान इसराइली, हाजी नवाब अली चिराणिया, मंस-ूर आलम, मसूद अख्तर व रियाज मोहम्मद इत्यादि समाज के प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

शिक्षा की पहुंच से दूर कच्ची बस्तियों में शिक्षा की चुनौतियों का सामना करेगा : कारी इस्हाक

फुलेरा में स्मारक के लिए दी भूमि पर पीडब्ल्यूडी के मालिकाना हक जताने पर विरोध जताया

चमकता राजस्थान

जयपुर। अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्था समाज की मांग पर फुलेरा नगरपालिका मंडल की ओर से हाइफा हीरो शहीद मेजर दलपत सिंह के नाम पर सर्किल की प्रस्तावित एवं अनुमोदित भूमि पर लगभग 2 वर्ष बाद उक्त भूमि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने अपनी होने का दावा किया। रावणा राजपूत समाज की ओर से सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि उक्त भूमि पर हाइफा हीरो शहीद मेजर दलपत सिंह का स्मारक बनाया जाएगा। श्री रावणा राजपूत समाज की ओर से दिए ज्ञापन में बताया कि नगर पालिका मण्डल द्वा-रा सांभर बाइपास रोड पर हाइफा हीरो शहीद मेजर दलपत सिंह के स्मारक के लिए रावणा राजपूत समाज को आवंटित की गई जमीन पर पीडब्ल्यूडी द्वारा मालिकाना हक जताने पर रावणा राजपूत समाज मे गहरा आक्रोश है।

रावणा राजपूत समाज के प्रदेशाधयक्ष रणजीत सिंह सोडाला ने बताया कि समाज की ओर से विगत 8 जुलाई 2022को एक पत्र नगर पालिका मण्डल फुलेरा को देकर हाइफा हीरो शहीद मेजर दलपत सिंह शेखावत के नाम शहीद स्मारक व उद्यान निर्माण के लिए नगर पालिका क्षेत्र मे भूमि आंवटन के लिए आवेदन किया था। भूमि आंवटन के लिए पालिका द्वारा बुलाई गई बोर्ड की मीटिंग मे प्रस्ताव में शहीद के नाम सांभर बाई पास पर भूमि चिन्हित कर रावणा राजपूत समाज को भूमि देने का निर्णय लिया था । लेकर पालिका प्रशासन ने शहीद स्मारक के लिए भूमि आवंटित कर दी थी तथा चार दीवारी निर्माण के लिए निविदा भी जारी कर दी थी। लेकिन हाल ही मे पीडब्ल्यूडी ने इस भूमि पर मालिकाना हक जताकर आपत्ति बोर्ड लगा दिया। जिस पर रणजीत सिंह सोडाला ने भाजपा प्रदेशअध्यक्ष मदन जी राठौर ने रणजीत सिह सोडाला एवं भाजपा प्रत्याक्षी फुलेरा निर्मल कुमावत को बुलाकर पुरे विषय पे बात की एवं इस विषय पर समाज हित मै कार्यवाही करने की कही एवं भाजपा प्रदेशअध्यक्ष मदन जी राठौर एवं भाजपा प्रत्याक्षी निर्मल कुमावत ने इस विषय पे जल्द से जल्द पक्ष मे कार्यवाही कर ने का अश्वाशन दिया।

विधायक डॉ विकास चौधरी ने किए तिरुपति बालाजी के दर्शन

- **भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर उनके चरणों में किए बाल अर्पण, परिवार सहित पूजा अर्चना कर क्षेत्रवासियों सुख समृद्धि के लिए की कामना ।**

चमकता राजस्थान/मदनगंज किशनगढ़। किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी ने तिरुमाला, आंध्र प्रदेश पहुंचकर तिरुपति बालाजी के परिवार सहित दर्शन किए। तिरुमाला तिरुपति स्थानम ट्रस्ट बोर्ड द्वारा विधायक चौधरी का स्वागत अभिनंदन किया गया । विधायक चौधरी ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर बाल अर्पण किए, परिवार सहित पूजा अर्चना करके क्षेत्र वासियों की सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। इस यात्रा के दौरान आंध्र प्रदेश एवं कर्नाटक के प्रवासी राजस्थानी एवं मारवाड़ी समुदाय से मुलाकात की, प्रवासी राजस्थानियों द्वारा विधायक चौधरी का स्वागत अभिनंदन किया गया ।

नेट थिएटर पर नाटक तुरंत मंगोड़ी का मंचन

- **अभिनय के विभिन्न मसालो से तैयार तुरंत मंगोड़ी के स्वाद का आनंद उठाया दर्शकों ने**

चमकता राजस्थान। जयपुर। नाद सोसायटी के कलाकारों द्वारा रंगमंडल योजना के अंतर्गत इम्प्रोवाइजेशनल रंगमंच से प्रभावित नाट्य प्रस्तुति सीरीज 2 ''तुरत मंगोड़ी'' का मंचन किया गया। नाटक में अभिनय के विभिन्न भावों के माध्यम से तुरंत तैयार की गई कहानी का सशक्त नाट्य मंचन कर प्रस्तुति दी गई। नेटथियेट के अनिल मारवाड़ी ने बताया कि यह रंगमंच 16 वीं 18वीं शताब्दी में कोमेडिया डेलआर्ट के कलाकारों द्वारा रंगमंच के इस फोम का प्रदर्शन किया गया। इसी प्रकार नाद सोसायटी के कलाकार माह के अंत में बिना किसी पूर्व तैयारी के तैयार प्रस्तुति को प्रस्तुत करतें है। इस तरह का यह दूसरा प्रयास है। तुरत मंगोड़ी राजस्थान की एक ऐसी सब्जी है जिसे बिना किसी पूर्व तैयारी के अचानक आये मेहमान के लिये चटपटी बेसन और अन्य घरेलु मसालो की सब्जी तैयार की जा सकती है। इसी सब्जी का शीर्षक बनाकर प्रस्तुति दी गई। इस इम्प्रोवसनल प्रस्तुति में वरिष्ठ रंगकर्मी राजेन्द्र शर्मा ''राजू'', मनोज स्वामी, जीवितेष शर्मा और रेनू सनाढ्य ने तुरंत कहानी गढते हुऐ शानदार नाट्य प्रस्तुति देकर दर्शकों अभिनय के विभिन्न भावों से प्रभावित कर अमिट छाप छोडी। प्रकाश अंकित शर्मा नोनू और मंच सहायक घृति शर्मा, जीतेन्द्र शर्मा, मुकेश सैनी आदि रहे।

खरौली पंचायत में जिला कलेक्टर द्वारा रात्रि चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं का तत्काल समाधान

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। सरमथुरा उपखंड की खरौली पंचायतः जिला कलेक्टर ने खरौली पंचायत मुख्यालय में एक रात्रि चौपाल आयोजित की, जिसमें स्थानीय निवासियों ने अपनी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के सामने रखा। ग्रामीणों ने पंचायत मुख्यालय में ढरउ और 33 केवी विद्युत ग्रिड स्थापित करने की मांग की, जिससे इलाके में रोजगार के अवसर बढ़े और विद्युत आपूर्ति में सुधार हो सके। कलेक्टर साहब ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को निर्देश दिए और तत्काल समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि PSC और विद्युत ग्रिड की स्थापना के लिए वे राज्य सरकार को पत्र भेजेंगे और जल्दी समाधान दिलाने का प्रयास करेंगे।

इस दौरान कलेक्टर ने क्षेत्र की अन्य समस्याओं पर भी ध्यान दिया, जिसमें सड़क निर्माण, पानी की आपूर्ति और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार शामिल था। कलेक्टर ने सभी मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई का वादा करते हुए कहा कि प्रशासन ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। ग्रामीणों ने कलेक्टर की पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

आरडीएसएस योजना के कामों में प्रगति बढ़ाएं: डिस्कॉम चेयरमैन (आरती डोगरा)

चमकता राजस्थान

जयपुर। डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने आरडीएसएस योजना के तहत प्रदेश में चल रहे विद्युत तंत्र के सुधार एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को गति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड में कांट्रेक्टरों द्वारा टीमों तथा लेबर की संख्या बढ़ाकर काम को गति दी जाए और समयानुसार लक्ष्यों को हासिल किया जाए।

सुश्री डोगरा जयपुर डिस्कॉम के विभिन्न जिलों में चल रहे आरडीएसएस कार्यों की प्रगति की शनिवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन जिलों में कार्य की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप नहीं है, वहां काम कर रही कांट्रेक्टर कंपनी को नोटिस दिया जाए। बार-बार चेतावनी देने के बावजूद प्रगति नहीं दर्शाने वाले संवेदक फर्मों को ब्लैक लिस्ट करने की कार्यवाही करें।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने कहा कि जिन फीडर्स पर वोल्टेज की समस्या है उनमें प्राथमिकता से काम किया जाए ताकि रबी के सीजन में लाभ मिल सके। योजना के तहत 33 के वी एवं 11 के वी फीडर के निर्माण को लेकर जहां मार्गाधिकार (राइट ऑफ वे) को लेकर कोई विवाद है, उसे संबंधित जिला प्रशासन के ध्यान में लाकर निराकरण कराएं। अधिक छीजत वाले फीडरों में केबलिंग तथा एचवीडीएस कार्य किए जाएं। साथ ही ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के काम को बढ़ाएं। सुश्री डोगरा ने निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर योजना के अन्तर्गत 33 केवी जीएसएस का तंत्र स्थापित कर दिया गया है। उनमें नियत क्षमता का ट्रांसफार्मर शीघ्र स्थापित कर उसे अविलम्ब चार्ज करें, ताकि रबी के सीजन में ट्रिपिंग रहित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। साथ ही कम वोल्टेज मिलने की समस्या के निराकरण के लिए कृषि उपभोक्ताओं के पम्प सेट पर कैपेसिटर लगाएं।

इस दौरान उन्होंने दौसा, करौली, भरतपुर तथा बारां सर्किल में चल रहे आरडीएसएस कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इन चारों सर्किल में योजना के अन्तर्गत करीब 775 करोड़ रूपए के कार्य किए जा रहे हैं। बैठक में जयपुर डिस्कॉम के निदेशक तकनीकी श्री एसएस नेह-रा, अति. मुख्य अभियंता पीपीएम श्री आर.के. शर्मा, अधीक्षण अभियंता (आरडीएसएस) श्री राजीव मदान सहित अन्य अभियंता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

राजीव गांधी पंचायती संगठन में रविंद्र सिंह परमार को धौलपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया

चमकता राजस्थान। जयपुर संवाददाता खलील कुरैशी। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और राजीव गांधी पंचायती संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने धौलपुर जिला अध्यक्ष के रूप में रविंद्र सिंह परमार को नियुक्त किया है। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम जयपुर में आयोजित किया गया, जिसमें राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरिया वास, बुलाकी दास कल्ला सहित हजारों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान रविंद्र सिंह परमार ने अपनी नई जिम्मेदारी को स्वीकार करते हुए कहा कि वे अपने पद का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे संगठन के हित में हमेशा काम करेंगे और पार्टी के दृष्टिकोण को मजबूती से लागू करेंगे।

इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने रविंद्र परमार को उनकी नई भूमिका के लिए बधाई दी, और संगठन के कामकाज में उनके योगदान की सराहना की। प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने कहा कि परमार के नेतृत्व में धौलपुर जिले में संगठन और पार्टी की मजबूती बढ़ेगी, और उनकी सक्रियता से पार्टी को नई दिशा मिलेगी। संगठन के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए, जो पार्टी के लिए अपनी प्रतिबद्धता और समर्थन प्रदर्शित करने के लिए उपस्थित थे।

पुलिस व गौतस्करों के बीच फायरिंग, फायरिंग दौरान दीवार से गिरने पर एक गौतस्कर घायल

- घायल को पुलिस ने जिला चिकित्सालय में कराया भर्ती, चार अन्य गौतस्कर भागने में सफल
- पुलिस ने छह गौवंश सहित पिकअप गाडी को किया जब्त, गाडी से 315 बोर देशी कट्टा भी किया बरामद

चमकता राजस्थान। नदबई,(राजवीर सिंह)। क्षेत्र के गांव रौनीजा में देर रात शमसान स्थल से गौवंश को पिकअप गाडी में भरने दौरान अचानक पुलिस व क्यूआरटी टीम पहुंचने पर गौतस्करों ने तीन से चार राउण्ड फायर करते हुए भागने का प्रयास किया। जबाव में पुलिस ने भी फायरिंग करते हुए गौतस्करों को पकडने का प्रयास किया। लेकिन, अंधेरे के चलते चार गौतस्कर भागने में सफल हो गए। हालांकि, फायरिंग के बीच एक गौतस्कर ने दीवार से कूदकर भागने का प्रयास किया। लेकिन, दीवार के समीप पत्थरों पर गिरने के चलते गौतस्कर घायल हो गया। पुलिस ने घायल गौतस्कर को पहले उपजिला चिकित्सालय व बाद में जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। वही, पुलिस ने पिकअप गाडी सहित गाडी में रखे 315 बोर देशी कट्टा व छह गौवंश को जब्त करते हुए गौवंश को गौशाला में भिजवा दिया। पुलिस सूत्रों की मानें तो हरियाणा पलवल वहीन थाना क्षेत्र के गांव उटावड़ निवासी सलामुद्वीन पुत्र इस्लामी अपने चार अन्य साथियों के साथ नदबई क्षेत्र के गांव रौनीजा के शमसान स्थल पर एकत्रित गौवंश को पिकअप गाडी में भर रहा। इसी दौरान क्यूआरटी व पुलिस टीम को मौक पर पहुंचने के चलते मुटभेढ़ हो गई। गौतस्करों की ओर से तीन से चार राउण्ड फायर करने पर पुलिस ने भी एक राउण्ड फायर किया। फायरिंग के बीच दीवार कूदकर भागने दौरान गौतस्कर सलामुद्वीन घायल हो गया। जबकि, पलवल वहीन निवासी वासिम पुत्र मौहम्मद व शाविर पुत्र हारुन उर्फ मूसा एवं नगर थाना क्षेत्र के गांव थून निवासी अशरफ अली पुत्र मवासी व हथकडा फरार हो गया। पुलिस ने फरार गौतस्करों को पकडने का प्रयास किया। लेकिन, सफलता नही मिल सकी।

नशा मुक्ति अभियानः बाड़ी राजकीय महाविद्यालय में जागरूकता रैली से समाज में सकारात्मक बदलाव की ओर कदम

चमकता राजस्थान। धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी राजकीय महाविद्यालय ने नशा मुक्ति अभियान के तहत एक प्रभावी जागरूकता रैली का आयोजन किया। इस रैली का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय समुदाय को नशे के खतरों से अवगत कराना और उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना था। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं और स्टाफ ने कॉलेज परिसर से रैली की शुरुआत की और बाड़ी नगर के प्रमुख रास्तों से होते हुए विभिन्न मोहल्लों में नशे के खिलाफ संदेश फैलाया। रैली के दौरान ₹नशा मुक्ति, जीवन सुरक्षा₹ और ₹स्वस्थ समाज, खुशहाल समाज₹ जैसे नारे लगाए गए। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षकगण, और स्थानीय समाजसेवी भी शामिल हुए, जिन्होंने युवाओं को नशे से बचने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य ने इस पहल को सराहा और बताया कि ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और वे स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएंगे। रैली के दौरान छात्रों ने नशे के दुष्प्रभावों के बारे में पोस्टर और फ्लायर्स भी बांटे, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचे।महाविद्यालय के इस कदम को स्थानीय समुदाय ने सकारात्मक रूप से लिया और आशा जताई कि इस तरह के आयोजन समाज में नशे के खिलाफ एक मजबूत आवाज बनाएंगे।

भाजपा दे रही भ्रष्ट्राचार को बढ़ावा

भाजपा भ्रष्ट्राचार की वाशिंग मशीन : रामकिशन

भाजपा बाणी से नहीं कर्म से संविधान को खत्म करना चहाती हैं

चमकता राजस्थान

किसानों ने पानी के लिये संघर्ष का लिया फैसला

वैर (राजवीर सिंह)। समाजवादी विचारक और भरतपुर के पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ने कहा कि भाजपा वाणी से संविधान की रक्षा और कर्म से संविधान को खत्म करना चहाती है । उनका आरोप है कि भाजपा ही संसद को नहीं चलने दे रही क्योंकि विरोधी पार्टीयों के सांसदों का काम है देश हित और लोकहित के मुद्दों को संसद में उठाना ' क्या जब भाजपा और जनसंघ कमजोर था तब तो क्या संसद में मुद्दे नहीं उठाते थे ।

पूर्व सांसद ने ये विचार ग्राम रमासपुर में शनिवार को पानी और रोजगार के मुद्दे को लेकर हुई सभा में बोल रहे थे । उन्होंने कहा कि राजनीति लोक लाज से चलती है लेकिन लगातार राजनीति में गिरावट आती जा रही है और इस गिरावट को बढ़ाबा दे रही है भाजपा । उन्होंने कहा भाजपा ने अब तक सबसे ज्यादा भ्रष्ट्राचारियों को अपनी पार्टी में शामिल किया है , जो कल तक भ्रष्ट थे और जाँच में थे वो भाजपा में आते ही पवित्र हो जाते है । उन्होंने कहा कि सरकारी कम्पनी की खरीद में भष्ट्राचार की बात सामने आ रही है और प्रधानमंत्री गैरजिम्मेदाराना और लज्जा जनक वयान दे रहे है , केन्द्र सरकार देश का पैसा लेकर भागे भगोड़े अरबपतियों को ही नहीं अन्य तमाम भाजपा में शामिल होने बाले राजनेताओं को भी लगातार बचा रही हैं । उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हैं कि कांग्रेस और अन्य राजनैतिक दलों में भ्रष्ट्राचार नहीं है भ्रष्ट्राचार वहाँ भी है लेकिन भाजपा तो चाल ' चलन और चरित्र में दूसरों से अलग की बात करती थी उसके प्रचंड बहुमत के बाद भ्रष्ट्राचारियों को शामिल करना मतदाताओं के साथ धोखा है । केन्द्र सरकार संसद में भ्रष्ट्राचार , जातिगत जनगणना , मंहगाई , बेरोजगार ' किसानों के मुद्दो पर चर्चा ही करना नहीं चहाती ।

उन्होंन कहा कि केन्द्र सरकार आपनी मोनोपोल सी के तहत पूंजीवाद को बढ़ाबा दे रही है , सरकार पूंजी निवेश और सरकारी कम्पनियों और उपक्रमों को देने में प्रतियोगता खत्म कर रही है जिसकी मार उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगी । उन्होंने कहा कि दलित और पिछड़ो , महिलाओं को उनके वाजिब अधिकार की माँगों को कमजोर करने और देश के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिये ही हिन्दुओं के बीच उल्टी सीधी धर्म की बातें की जा रही है , नफरत पैदा की जा रही है और कुछ लोग हिन्दुत्व को कलंकित कर रहे है ऐसे लोग जातिगत जनगणना में भी रोड़ा लगा रहे है।

किसान नेता और पूर्व जिला पार्षद इन्दल सिंह ने कहा कि या तो भरतपुर जिले को एनसीआर का सम्पूर्ण लाभ मिले अन्यथा भरतपुर क्षेत्र को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से सरकारों को बाहर कर देना चाहिये क्योंकि फायदा नहीं जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

किसान नेता इन्दल सिंह ने कहा कि जिले में बढ़ती बेरोजगारी के लिये प्रदूषण रहित उद्योग लगने चाहिये । उन्होंने कहा कि बाणगंगा नदी के समीपवर्ती सम्पूर्ण क्षेत्र की जनता सिंचाई और पीने के पानी को लेकर परेशान है , कई दसक से बाणगंगा नदी में पानी नहीं आया । महुआ ' वैर , भुसावर ' नदवई ' क्षेत्र में किसानों के गहरे ट्यूबबैल भी पानी सूख चुके है , खेती पानी बगैर बर्बाद होती जा रही है जबकि किसान ट्यूबबैल खुदबाते खुदबाते कर्जदार हो चुका है ।

किसान नेता इन्दल सिंह ने कहा कि हम लोग वर्ष 2007 से पानी के मुद्दों को लेकर आन्दोलनरत है सरकार को पानी की समस्या का समाधान करना चाहिये ।

सभा में सभी किसानों ने एकमत होकर बाणगंगा नदी को गम्भीर से जोड़ने तथा पाँचना बाँध के पानी का बँटबारा करने और इआरसीपी के समझौते को शीघ्र सार्वजनिक करने तथा इआरसीपी और पीकेसी के तहत शीघ्र कार्य प्रारम्भ कर भरतपुर और डीग जिले को प्रथम चरण में ही पानी मुहैया करना चाहिये क्योंकि इन दोनों जिलो में पानी का ज्यादा संकट है। किसानों ने रुपारेल नदी में भी पानी लाने की माँग की । किसानों ने वैर - भुसावर में फलों की खेती को और बढ़ाबा देने के लिये शीघ्र ही फूड प्रोसेसिंग सेंटर को खोलने की माँग की । किसानों नें सीता बाँध को भी बन्द बारैठा की तर्ज पर बनाने तथा सीता बाँध को पाँचना बाँध से बारैठा पाइप लाइन बाली स्कीम में जोड़ने की माँग रखी ताकी वैर - भुसावर क्षेत्र को पेयजल उपलब्ध हो सके । किसानों ने कहा कि वगैर पानी के खेती की लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है , खाद , बीज ' कीटनाशक दवाईयां ' डीजल , टैक्ट्रर आदी बहुत ज्यादा मंहगे होने की बजह से खेती में लागत भी नहीं मिलती । सरकार लाभकारी मूल्य की बात तो दूर रही समर्थन मूल्य भी नहीं दे रही जबकि बीमा कम्पनियां भी शोषण कर रही है जिसकी बजह से किसान परेशान है बेरोजगारी के कारण नौजवान ज्यादा दुःखी है । किसानों ने फैसला किया कि पानी के लिये चल रहे संघर्ष में उनकी जब भी जरूरत होगी उसमें क्षेत्र के सभी किसान एकजुट होकर संघर्ष करेंगे ।

गाँव में किसानों ने पानी आन्दोलन के अगुआ शताब्दी पुरुष पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन और इन्दल सिंह जाट का स्वागत किया ।

सभा को सरपंच सरोज मुरारी ' गिरार्ज सिंह जाट ' सतवीर सिंह ' मुरारी सिंह ' गोपाल ' मंगतू जाटब ' भगवान सिंह जाटब ' लज्जा देवी ' कैदारी देवी ' गंगा देवी ने भी अपने विचार प्रकट किये । जबकि अध्यक्षता दिगम्बर सिंह फौजदार ने की तथा संचालन गिरधर सिंह ने किया ।

पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी से लक्ष्मण सिंह व्याख्याता की सेवानिवृत्ति पर भावुक विदाई समारोह

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाड़ी के व्याख्याता लक्ष्मण सिंह विख्याता आज सेवानिवृत्त हो गए। उनके सरल स्वभाव और कड़ी मेहनत ने उन्हें विद्यालय में सभी के बीच प्रिय बना दिया था। वे हमेशा अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाते थे, जिससे उनकी गहरी छवि छात्रों और सहकर्मियों के बीच बन गई थी। सेवानिवृत्ति के अवसर पर विद्यालय परिसर में एक भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य हरिओम सिकरवार ने लक्ष्मण सिंह को प्रमाण पत्र एवं रामचरितमानस की पुस्तक भेंट की। समारोह में शिक्षक सुनील जाट, पुष्पेंद्र शर्मा, राजवीर कौशल, हिमांशु यादव, मांगीलाल, अमर सिंह पूनिया, मुन्नालाल, वीरमति (धर्मपत्नी), मोहनबती, तोताराम, रामचरण लाल, मानसिंह, बादशाह, मोहर सिंह, मनीष बाबू, लाचारी लाल, लक्ष्मी वीर सिंह, धीराम देव, कमलापति, सत्यवीर सिंह, सुखराम, जगन्नाथ मीना (लेक्चरर), हरिदास तरुण, रामदास तरुण (पत्रकार) सहित सैकड़ों शिक्षकगण और परिजनों ने हिस्सा लिया। सभी ने लक्ष्मण सिंह के समर्पण और योगदान की सराहना की और उन्हें भावभीनी विदाई दी। लक्ष्मण सिंह ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में हमेशा विद्यालय और छात्रों के भले के लिए काम किया। विदाई समारोह के दौरान सभी की आंखें नम हो गईं, क्योंकि उनके साथ बिताए गए सालों की यादें, सभी के दिलों में हमेशा ताजा रहेंगी। लक्ष्मण सिंह की सेवानिवृत्ति के साथ ही विद्यालय में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनका समर्पण और मेहनत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

पहला मैच टी.आर.डी ने जीता और दूसरा मैच विद्युत विभाग ने जीता

- टी.आर.डी विभाग के योगी व विद्युत विभाग के अजीत सिंह रहे मैन आफॅ द मैच

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में आगरा मंडल के गोवर्धन स्टेडियम में चल रहे 31ि डीआरएम कप में आज दिनांक 30.11.2024 को पहला मैच टी. आर.डी विभाग और दूसरा मैच विद्युत विभाग ने जीता पहले मैच के परिणामः टीआरडी की शानदार जीत क्वार्टर फाइनल का तीसरा मैच लोको एवं टी.आर. डी के मध्य खेला गया जिसने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीआरडी टीम ने 20 ऑवर में 8 विकेट पर 201 रन का लक्ष्य रखा, जिसमें बल्लेबाज योगी ने 50 गेंदों में सर्वाधिक 85 एवं रामोतार ने 37 गेंदों में 63 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी में लोको की तरफ से कौशल शर्मा ने 2 विकेट लिए। इसके जवाब में उत्तरी लोको टीम 19.5 ऑवर में ऑल आउट होकर 123 रन पर सिमट गई जिसमें कौशल शर्मा ने 17 गेंदों में 35 रन का योगदान दिया। टीआरडी टीम के तरफ से गेंदबाजी में भूपेन्द्र गोस्वामी एवं मंगल ने 3-3 और गिरराज ने 2 विकेट लिए। मुकाबले को टी. आर.डी ने 78 रन से जीत लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार टी. आर.डी विभाग के योगी को प्रदान किया गया।दूसरा मैच विद्युत (सामान्य) टीम की जीत क्वार्टर फाइनल का अंतिम मैच एस एंड टी एवं विद्युत (सामान्य) के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस एंड टी की टीम 19.5 ऑवर में 129 रन पर ऑल आउट हो गई जिसमें परवेश बघेल ने 26 रन बनाए। गेंदबाजी में विद्युत (सामान्य) की तरफ से अजीत सिंह ने सर्वाधिक 4 एवं सौरभ शुक्ला और सचिन ने 2-2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी विद्युत (सामान्य) की टीम ने 14.2 ऑवर में ही 130 रन बनाकर मैच को 7 विकेट से जीत लिया जिसमें आकाश ने सर्वाधिक 36 एवं अजीत सिंह ने 34 रन की पारी खेली। मैन ऑफ द मैच अजीत रहे।मैच के दौरान मंडल सचिव/खेलकूद धीरज शर्मा, कर्मचारी संदीप शुक्ला, अजीत सिंह, मधु कांत सक्सेना, समय सिंह, देवेन्द्र शाक्य अदि उपस्थित थे।

'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने किया प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का आह्वान

चमकता राजस्थान

श्री कल्पतरु संस्थान के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, पर्यावरण संरक्षण के लिए संस्थान और कार्यकर्ताओं के योगदान को लेकर की सराहना

रघुनंदन पारीक श्रीनगर ,अजमेर। किशनगढ़ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी शनिवार को जयपुर में श्री कल्पतरु संस्थान द्वारा आयोजित ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ अभियान के प्रतिभागियों के सम्मान समारोह में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, जयपुर शहर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, श्री कल्पतरु संस्थान के अध्यक्ष विष्णु लाम्बा सहित पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित सैकड़ों वृक्षप्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने श्री कल्पतरु संस्थान और इसके अध्यक्ष विष्णु लाम्बा द्वारा पिछले 30 वर्षों में किए गए उल्लेखनीय पर्यावरणीय प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि संस्थान ने एक करोड़ से अधिक पौधों का रोपण और संरक्षण करके न केवल पर्यावरण को सहेजने का कार्य किया है, बल्कि समाज में प्रकृति के प्रति जागरूकता भी फैलाई है। भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह अभियान हमारी मातृभूमि, हमारी संस्कृति और पर्यावरण को समर्पित है। यह केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित भविष्य देने का एक आदर्श उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण के इस आंदोलन में अधिक से अधिक लोगों को शामिल होने का आ''ान करते हुए कहा कि प्राकृतिक संसाधनों को बचाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। कार्यक्रम के दौरान संस्थान से जुड़े प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके समर्पण को प्रोत्साहित किया गया।आवश्यक हैं। कार्यक्रम के दौरान संस्थान से जुड़े प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके समर्पण को प्रोत्साहित किया गया।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय

प्रदेश का औद्योगिक और आर्थिक विकास पकड़ेगा रफ्तार, 9 नीतियों को मंजूरी

अवैध रूप से धर्मान्तरण रोकने के लिए सरकार लाएगी विधेयक

खेमराज समिति की सिफारिशों पर कार्मिकों की वेतन विसंगति हुई दूर

बीकानेर व भरतपुर में विकास प्राधिकरणों के लिए लाया जाएगा अध्यादेश

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 30 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास को गति देने के लिए 9 नई नीतियों के अनुमोदन, 7वें राज्य वित्त आयोग के गठन, बीकानेर और भरतपुर में विकास प्राधिकरणों के गठन के लिए अध्यादेश लाने, खेमराज समिति की सिफारिशों के अनुरूप राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम-2017 में संशोधन, विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन, द राजस्थान प्रोहेबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलिजन बिल 2024 लाने सहित प्रदेश के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि राज्य में औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने, प्रदेश को एक्सपोर्ट हब बनाने, स्थानीय पर्यटन, छोटे उद्योगों, स्थानीय शिल्प एवं कारीगरी, हथकरघा एवं एक जिला एक उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान एमएसएमई नीति, निर्यात संवर्द्धन नीति, एक जिला एक उत्पाद नीति, राजस्थान पर्यटन इकाई नीति एवं एकीकृत क्लस्टर विकास योजना को मंजूरी दी गई।

● बल-छल पूर्वक धर्मान्तरण रोकने के लिए आएगा विधेयक–

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रलोभन अथवा कपटपूर्वक धर्मान्तरण के प्रयासों को रोकने के लिए ''दि राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलीजन बिल-2024'' विधानसभा में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी राज्य में अवैध रूप से धर्मान्तरण को रोकने के सम्बन्ध में कोई विशिष्ट कानून नहीं है, इसलिए मंत्रिमण्डल की बैठक में विचार कर इसके प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। उन्होंने बताया कि इस विधेयक के कानून बनने के उपरान्त कोई व्यक्ति या संस्था, किसी व्यक्ति पर मिथ्या निरूपण, कपटपूर्वक, बलपूर्वक, अनुचित प्रभाव आदि का प्रयोग कर धर्म परिवर्तन नहीं करवा सकेंगे। अगर कोई व्यक्ति अथवा संस्था ऐसा कृत्य करते हैं, तो उन्हें कठोर दण्ड दिया जाएगा। अगर कोई व्यक्ति विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन कराने के उद्देश्य से विवाह करता है, तो पारिवारिक न्यायालय ऐसे विवाह को अमान्य घोषित कर सकता है। इस विधि में अपराध गैर-जमानती व संज्ञेय होंगे। उन्होंने कहा कि अन्य कई राज्यों में जबरन धर्मान्तरण को रोकने के लिए पहले से ही कानून अस्तित्व में है।

● भरतपुर और बीकानेर विकास प्राधिकरणों के लिए आएंगे अध्यादेश

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि कैबिनेट ने भरतपुर और बीकानेर में विकास प्राधिकरणों के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है, इनके गठन के लिए भरतपुर विकास प्राधिकरण अध्यादेश-2024 और बीकानेर विकास प्राधिकरण अध्यादेश-2024 लाए जाएंगे। इन शहरों में विकास प्राधिकरण बनने से यहां विकास सुव्यवस्थित और नियोजित ढंग से हो सकेगा। उन्होंने बताया कि बीकानेर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास बीकानेर के वर्तमान क्षेत्र के अलावा नापासर व देशनोक तथा आस-पास के 185 गांव सम्मिलित किए जाएंगे। भरतपुर विकास प्राधिकरण में नगर विकास न्यास भरतपुर के वर्तमान क्षेत्र के साथ-साथ 209 गांव शामिल किए जाएंगे।

● खेमराज समिति की सिफारिशों के अनुरूप वेतन विसंगतियों का निराकरण

डॉ. बैरवा ने बताया कि सेवानिवृत्त आईएएस खेमराज चौधरी की अध्यक्षता में गठित कर्मचारी वेतन विसंगति परीक्षण समिति की वेतन विसंगति दूर करने, वेतन सुधारों तथा पदोन्नति के अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने संबंधी सिफारिशों को मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वेतन विसंगतियों एवं वेतन सुधार सम्बन्धी सिफारिशों को दिनांक 1 सितम्बर, 2024 से लागू करने की घोषणा की थी।

● एमएसएमई नीति-2024 से वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होंगे छोटे उद्यम–

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि राजस्थान एमएसएमई नीति-2024 राज्य के एमएसएमई उद्यमों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाने में सहायक सिद्ध होगी। इसमें ऋण पर अतिरिक्त 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान, एसएमई एक्सचेंज से धन जुटाने पर 15 लाख रुपए तक सहायता, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी व सॉफ्टवेयर पर 50 प्रतिशत या 5 लाख रुपए तक अनुदान, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर पर 3 लाख रुपए तक पुनर्भरण सहायता, विपणन हेतु आयोजनों में 1.5 लाख रुपए तक अनुदान, डिजिटल उपकरणों पर 50 हजार रुपए तक पुनर्भरण और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 75 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार रुपए तक पुनर्भरण का प्रावधान है। उद्यमियों को निर्यातक बनने के लिए प्रोत्साहित करेगी निर्यात संवर्धन नीति– पटेल ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा अगले 5 वर्षों में प्रदेश के निर्यात में 1.50 लाख करोड़ रुपए तक वृद्धि लाने की है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए आज अनुमोदित की गई राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति-2024 में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री निर्यात वृद्धि अभियान चला कर नये उद्यमियों को निर्यातक बनने हेतु प्रोत्साहित भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस नीति में निर्यातकों को दस्तावेजीकरण पर 50 प्रतिशत या 5 लाख रुपए तक सहायता, अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी पर 75 प्रतिशत या 3 लाख तक अनुदान, सर्टिफिकेशन पर 75 प्रतिशत पुनर्भरण (20 हजार रुपए प्रति शिपमेंट व 3 लाख तक प्रति वर्ष), तकनीकी अपग्रेडेशन पर 75 प्रतिशत या 50 लाख तक सहायता, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 75 प्रतिशत या 2 लाख तक पुनर्भरण किया जाएगा।

● विशिष्ट उत्पादों और शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए एक जिला एक उत्पाद नीति–

श्री पटेल ने बताया कि जिलों के विशिष्ट उत्पादों और शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान एक जिला एक उत्पाद नीति-2024 को स्वीकृति प्रदान की गई है। ओडीओपी नीति के अमल में आने से जिलों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही कारीगरों, शिल्पकारों, कृषकों और निर्माताओं की आय भी बढ़ेगी। इस नीति में नवीन सूक्ष्म उद्यमों को 25 प्रतिशत या अधिकतम 15 लाख रुपए एवं लघु उद्यमों को 15 प्रतिशत या अधिकतम 20 लाख रुपए तक मार्जिन मनी अनुदान सहायता दी जायेगी। ओडीओपी नीति में सूक्ष्म व लघु उद्यमों को एडवांस्ड टेक्नोलॉजी व सॉफ्टवेयर पर 50 प्रतिशत या 5 लाख रुपए तक अनुदान, क्वालिटी सर्टिफिकेशन व आईपीआर पर 75 प्रतिशत या 3 लाख रुपए तक पुनर्भरण, विपणन आयोजनों में भाग लेने के लिए 2 लाख रुपए तक सहायता, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फीस पर 75 प्रतिशत या 1 लाख रुपए प्रतिवर्ष का 2 साल तक पुनर्भरण और कैटलॉगिंग व ई-कॉमर्स वेबसाइट विकास के लिए 60 प्रतिशत या 75 हजार रुपए तक एकमुश्त सहायता दी जाएगी।

● एनिमेशन, गेमिंग के क्षेत्रों में अश्वऋ-फनीति से निखरेंगी स्थानीय प्रतिभाएं–

पटेल ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा को पूरा करते हुए एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्स्टेंडेड रिएलिटी के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभाओं, राज्य की संस्कृति एवं स्थानीय संसाधनों को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान अश्वऋ-फनीति-2024 लाई जा रही है। इस नीति में राज्य में बनने वाली एनिमेशन फिल्मों, गेम्स एवं कॉमिक्स को उत्पादन अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। स्थानीय संस्कृति और सामग्री निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करने वाले स्टार्ट अप्स व उद्यमों को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अटल इनोवेशन स्टूडियो और एक्सेलेरेटर स्थापित किए जाएंगे। ये स्टूडियो कोडिंग, वीएफएक्स लैब एवं एडवांस्ड कम्प्यूटिंग सुविधाओं से लैस होंगे।

● पर्यटन में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी राजस्थान पर्यटन इकाई नीति-2024

पटेल ने बताया कि मंत्रिमंडल की बैठक में अनुमोदित राजस्थान पर्यटन इकाई नीति-2024 राज्य में पर्यटन के नए संभावनाशील क्षेत्रों में निवेशकों व उद्यमियों को आकर्षित करेगी। नई नीति में इको टूरिज्म यूनिट, फिल्म सिटी, हेरिटेज रेस्टोरेंट, होटल हाउसिंग, इनडोर/आउटडोर प्ले जोन, एकीकृत पर्यटन विलेज, मोटल/वे-साइड सुविधाएं, रिसोर्ट हाउसिंग, ग्रामीण पर्यटन इकाई और पर्यटन स्टार्ट-अप्स जैसी नई पर्यटन इकाइयों को जोड़ा गया है। इस नीति में न्यूनतम 100 करोड़ रूपये का नया निवेश करने वाली पर्यटन इकाई परियोजनाओं को राजकीय भूमि आंवटित किये जाने का प्रावधान किया गया है। पर्यटन इकाई से जुड़ी या उसके अंदर आने वाली भूमि को उनकी भूमि के 10 प्रतिशत तक राजकीय भूमि कृषि या आवासीय डीएलसी दरों पर एक बार आवंटित की जा सकेगी।

● अक्षय ऊर्जा क्षमता को 125 गीगावाट तक बढ़ाने के लिए राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024

पटेल ने बताया कि अक्षय ऊर्जा के राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप वर्तमान अक्षय ऊर्जा नीति, बायोमास एवं वेस्ट टू एनर्जी नीति, ग्रीन हाइड्रोजन नीति के प्रावधानों तथा ऊर्जा भण्डारण के नवीन प्रावधानों को सम्मिलित करते हुए राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 का अनुमोदन किया गया है। नई नीति में 2030 तक अक्षय ऊर्जा क्षमता को 125 गीगावाट तक बढ़ाने, फ्लोटिंग, रिजर्वायर टॉप और कैनाल टॉप सौर ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देने, पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट सहित बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं और 8 मार्च 2019 के बाद शुरू हुई छोटी जल विद्युत परियोजनाओं को शामिल करने, और नेट मीटरिंग व्यवस्था में 80 प्रतिशत ट्रांसफार्मर क्षमता तक सोलर रूफटॉप लगाने की अनुमति दी गई है। सभी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं और पार्कों को राजकीय भूमि आवंटन, वर्चुअल पीपीए आधारित सौर ऊर्जा परियोजनाओं, कार्बन ट्रेडिंग, ऊर्जा दक्षता तथा नेट जीरो बिल्डिंग को बढ़ावा देने के प्रावधान भी नई नीति में हैं। उन्होंने बताया कि इस नीति में 10 मेगावाट तक की परियोजनाओं का पंजीकरण शुल्क घटाकर 5 हजार रुपए कर दिया गया है। नई नीति में 2029-30 तक 10 हजार मेगावाट क्षमता के पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट, बैट्री ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं (बीईएसएस), हाइड्रो सहित ऊर्जा भंडारण परियोजनाएं स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है

● रोजगार सृजन और राजस्व में बढ़ोतरी के लिए राजस्थान खनिज नीति-2024

पटेल ने बताया कि बजट घोषणा को पूरा करते हुए कैबिनेट द्वारा स्वीकृत राजस्थान खनिज नीति-2024 प्रदेश में खनन आधारित उद्योगों, औद्योगिक निवेश, युवाओं व स्थानीय लोगों को रोजगार व राजस्व में बढ़ोतरी के साथ ही अवैध खनन गतिविधियों पर रोक लगाने में कारगर साबित होगी।उन्होंने बताया कि नई खनिज नीति में राजस्व में बढ़ोतरी और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने, खनिज ब्लॉक्स की प्री-एम्बेडेड अनुमतियों के साथ नीलामी, जनजातीय क्षेत्रों में बिड सिक्योरिटी आधी करने, और पोस्ट-ऑक्शन सेल को मजबूत बनाने के प्रावधान किए गए हैं। इस नीति में मिनरल डायरेक्ट्री और सेण्ड पोर्टल विकसित कर बजरी खनन में पारदर्शिता लाने और अप्रधान खनिजों के रियायत नियम सरल बनाने पर जोर दिया है। आधुनिक तकनीक से जीरो वेस्ट माइनिंग, ऑनलाइन रॉयल्टी वसूली, परमिट सरलीकरण, और अवैध खनन पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जियो-फेंसिंग, जीपीएस ट्रैकिंग और आरएफआईडी चेकपोस्ट लागू किए जाएंगे। खनन आधारित उद्योगों को थर्स्ट सेक्टपर में शामिल किया गया है और इन्हें रिप्स 2024 के लाभ भी दिए जा रहे हैं।

● बजरी के सस्ते विकल्प को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान एम-सेण्ड नीति-2024–

पटेल ने बताया कि केबिनेट द्वारा स्वीकृत नई एम-सेण्ड नीति में प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना और बजरी के सस्ते विकल्प के रुप में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। एम-सेण्ड इकाई की स्थापना के लिए 3 साल के अनुभव, 3 करोड़ रुपए की नेटवर्थ व 3 करोड़ रुपए के टर्नओवर की बाध्यता समाप्त की गई है। ओवरबर्डन पर देय रॉयल्टी को कम कर आधा किया गया है, वहीं नीलामी के समय एम-सेण्ड यूनिट के लिए दो प्लाट रखने के स्थान पर 5 प्लाट आरक्षित कर आवंटित किया जाएगा। इसी तरह से कीननेस मनी को भी दो लाख से कम कर एक लाख किया गया है।उन्होंने बताया कि ओवरबर्डन पर देय डीएमएफटी की राशि में छूट, सरकारी और सरकार से वित्त पोषित निर्माण कार्यों में बजरी की मांग की आपूर्ति में 25 प्रतिशत एम-सेण्ड के उपयोग की अनिवार्यता तय की गई है। एम-सेण्ड को बढ़ावा देने के लिए इन इकाइयों को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के परिलाभ भी दिए जाएंगे।

● 7 वें राज्य वित्त आयोग का गठन

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरपालिकाओं के लिये 7वें राज्य वित्त आयोग के गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस आयोग की अवार्ड अवधि 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2030 तक होगी।

● पीएचईडी में वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के पद पर अनुभव का प्रावधान हटाया

डॉ. बैरवा ने बताया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के पद पर सीधी भर्ती हेतु वांछित अनुभव सम्बन्धी योग्यता के प्रावधान को विलोपित करने की मंजूरी दी गई है। अब तक वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक पद पर भर्ती में प्रयोगशाला कार्य में अथवा वाटर एवं सीवरेज एनालिसिस कार्य में अनुभव रखने वालों को वरीयता दिए जाने का प्रावधान था। इस प्रावधान को हटाने के निर्णय से वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक पद पर भर्ती शीघ्र प्रारम्भ हो सकेगी। इसके साथ ही, अब वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक के 25 प्रतिशत पद सीधी भर्ती से एवं 75 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरे जाएंगे। अब तक सीधी भर्ती और पदोन्नति के पदों का अनुपात 50-50 प्रतिशत था। आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी भर्ती अब आरपीएससी से डॉ. बैरवा ने बताया कि नियमों में समरूपता लाने के उद्देश्य से आयुष विभाग में आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी के पदों पर अब आरपीएससी के माध्यम से भर्ती परीक्षा आयोजित कर चयन किया जाएगा। इस सम्बन्ध में सेवा नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। अब तक आयुष विभाग में इन पदों पर भर्ती शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांकों व बोनस के आधार पर होती रही है।

● आरएसी और एमबीसी कांस्टेबल के पदों पर शैक्षणिक योग्यता सीनियर सैकेण्डरी–

डॉ. बैरवा ने बताया कि आरएसी और एमबीसी कांस्टेबल पद पर भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता में बदलाव करते हुए इसे सीनियर सैकेण्डरी किया जाएगा। इसे देखते हुए राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम, 1989 के संगत नियमों में संशोधन को मंजूरी दी गई है। इससे समान पात्रता परीक्षा के अंतर्गत राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा के कांस्टेबल पद के साथ ही आरएसी और एमबीसी कांस्टेबल भर्ती भी की जा सकेगी।

● भूजल विभाग की पदोन्नति समिति में बदलाव

डॉ. बैरवा ने बताया कि राजस्थान भू-जल सेवा नियम, 1969 एवं राजस्थान भू-जल अधीनस्थभ सेवा नियम, 1973 में विभागीय पदोन्नति समिति के सदस्यों में उप सचिव कृषि विभाग के स्थानन पर उप सचिव, भूजल विभाग को सम्मिलित करने के संशोधन को मंजूरी दी गई है। पूर्व में भूजल विभाग का प्रशासनिक विभाग, कृषि विभाग था लेकिन वर्तमान में यह एक अलग विभाग है। इसे देखते हुए यह संशोधन आवश्यक था।

● संविदा सेवा नियमों में संशोधन

डॉ. बैरवा ने बताया कि राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल अपॉइन्टमेंट टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 के अंतर्गत नियुक्त कार्मिकों को भी अब राज्य कर्मचारियों की भांति ही दो तारीखों 1 जुलाई अथवा 1 जनवरी को वार्षिक पारिश्रमिक वृद्धि का लाभ मिल सकेगा। इस सम्बन्ध में की गई बजट घोषणा को पूरा करते हुए राजस्थान कॉन्ट्रेक्चुअल अपॉइन्टमेंट टू सिविल पोस्ट्स रूल्स-2022 में संशोधन का अनुमोदन किया गया है। इस संशोधन से इन नियमों के अन्तर्गत नियुक्त कार्मिकों को प्रथम वार्षिक पारिश्रमिक वृद्धि एक वर्ष से पहले ही प्राप्त हो सकेगी तथा सभी संविदा कार्मिकों की आगामी वार्षिक पारिश्रमिक वृद्धि की दिनांक नियुक्त अवधि के अनुसार एक समान हो जायेगी।

● एनटीटी अध्यापकों का कैडर राजस्थान शिक्षा सेवा नियम-2021 में शामिल

डॉ. बैरवा ने बताया कि राजस्थान शिक्षा (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम-2021 के प्रावधानों में संशोधन कर पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक (एनटीटी) के पदों का इसमें ग्रुप ईः प्री प्राइमरी विंग जोड़कर संवर्गीकरण किया जाएगा। इस कैडर का प्रारम्भिक पद पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक रखा गया है। ये सभी पद 100 प्रतिशत सीधी भर्ती से भरे जाने का प्रावधान किया गया है। पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापकों की पदोन्नति 5 वर्ष के अनुभव के बाद पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक ग्रेड-2 पर, पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक ग्रेड-2 की पदोन्नति 5 वर्ष के अनुभव के बाद पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक ग्रेड-1 एवं पूर्व प्राथमिक शिक्षा अध्यापक ग्रेड-1 की पदोन्नति 5 वर्ष के अनुभव के बाद पूर्व प्राथमिक वरिष्ठ अध्यापक के पद पर हो सकेगी।

● लैंड कन्वर्जन रूल्स-2007 में संशोधन

जोगाराम पटेल ने बताया कि वर्तमान में एससी-एसटी वर्ग के व्यक्तियों को राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम-2007 के नियम 6 (बी) का लाभ नहीं मिल पाता है। काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 42 बी के प्रावधानों के कारण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के किसान अपनी कृषि भूमि को अक्षय ऊर्जा परियोजना विकासकर्ता को लीज पर नहीं दे सकते हैं। इसे देखते हुए मंत्रिमंडल ने राजस्थान भू-राजस्व (ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि का अकृषि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम, 2007 में संशोधन को मंजूरी दी है।

● जैसलमेर जिले में सीमा पर सड़क के लिए भूमि आवंटन

पटेल ने बताया कि जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा पर लेटरल सड़क के निर्माण के लिए केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को 282.15 हैक्टेयर राजकीय भूमि आवंटन करने के प्रस्ताव को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई। यह भूमि सम तहसील में स्थित 23 सीमावर्ती राजस्व ग्रामों में आवंटित की जाएगी। इस लेटरल सड़क का निर्माण भारत-पाक बॉर्डर की निगरानी में विशेष सामरिक महत्व को देखते हुए किया जाएगा।किशनगढ़ (अजमेर) में ईएसआईसी अस्पताल के लिए भूमि आवंटन पटेल ने बताया कि किशनगढ़ (अजमेर) में कर्मचारी राज्य बीमा निगम का सौ बेड वाला अस्पताल खोलने हेतु निशुल्क भूमि आवंटन की स्वीकृति भी कैबिनेट बैठक में दी गई। ईएसआईसी अस्पताल के लिए राजस्व ग्राम किशनगढ़ बी में 20 हजार 3 सौ वर्गमीटर भूमि आवंटित की जाएगी।मेट्रो परियोजनाओं के लिए जेवी अब केन्द्र और राज्य सरकार के बीच पटेल ने बताया कि मेट्रो रेल के विकास में तेजी लाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार के साथ 50-50 संयुक्त उद्यम कम्पनी अब केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के सुझाव पर राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के मध्य स्थापित की जाएगी। राज्य मंत्रिमंडल द्वारा पूर्व में केन्द्र सरकार और वर्तमान जेएमआरसी के बीच संयुक्त उद्यम कम्पनी बनाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया था। कैबिनेट के अनुमोदन के पश्चात अब केन्द्र सरकार को पुनः विस्तृत प्रस्ताव भिजवाया जाएगा और जेवी कम्पनी को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश की निर्माणाधीन एवं भविष्य की सभी मेट्रो रेल परियोजनाओं को इस जेवी के माध्यम से लागू किया जाएगा। राज्य की वर्तमान और भविष्य की सभी मेट्रो रेल परियोजनाओं का निर्माण, संचालन और रखरखाव का अधिकार नई जेवी कंपनी के पास होगा।

जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के कुशल निर्देशन में एक बार फिर हुआ जयपुर पुलिस का इक़बाल बुलंद

पुलिस थाना संजय सर्किल जयपुर उत्तर ने दिया बडी कार्यवाही को अंजाम

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशी डोगरा डूडी आईपीएस ने बताया कि पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसेफ एंव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शहर कुंवर राष्ट्रदीप अवैध हथियारो को रखने वालो एंव लॉरेन्स बिश्नोई, रोहित गोदारा, गोल्डी बराड गैंग द्वारा आए दिन व्यापारियो को धमकी देकर फिरोती के कॉल को गम्भिरता से लेते हुवे इस प्रकार की गैंग के सदस्यो को चिन्हित कर उन पर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त बंजरग सिहं शेखावत (आरपीएस) सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली अनुप सिंह चौधरी (आरपीएस) के निर्देशन में हरिओम सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना संजय सर्किल के नेतृत्व मे विशेष टीम का गठन किया गया था।उक्त गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए पूर्व मे जयपुर निवासी 1. योगेश सैनी 2. मोहम्मद अकिल मंसुरी तथा हरेन्द्र विशनोई उर्फ राकेश निवासी नागोर व दीपक सैन निवासी हरियाणा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से एक पिस्टल एक देसी कट्टा एक मैगजीन व 5 जिन्दा कारतुस बरामद किए गये थे। उक्त अभियुक्त रोहित गोदारा के द्वारा धमकाए व्यापारी पर गोली चलाने के उद्देश्य से आए थे जिन्हे वारदात से पूर्व ही हरिओम सिंह थानाधिकारी संजय सर्किल द्वारा टीम के साथ गिरफ्तार कर लिया गया था।पुलिस उपायुक्त उत्तर राशी डोगरा डुडी ने बताया कि उक्त अभियुक्त गणो द्वारा दी गयी इतला व पुछताछ में इन्होने

- लॉरेन्स बिश्नोई रोहित गोदारा गैंग की महिला सहित तीन गिरफ्तार,
- दो देशी कट्टे, दो जिन्दा कारतुस किये बरामद
- गैंग के अब तक 7 सदस्य गिरफ्तार, जिनके कब्जे से 3 देशी कट्टे व 1 पिस्टल मय मैंगजीन एक मैगजीन, 7 कारतूस बरामद
- गिरफ्तारशुदा महिला गैंग के सदस्यो से रखती है सामंजस्य,
- देती है टास्क तथा जेल का उठाती है खर्चा व अलग अलग जेल मे बन्द गैंगस्टरो तक पहुचांती है संदेश

चोकाने वाले खुलासे किये। जिनमे जयपुर के व्यापारीयों को रोहित गोदारा द्वारा फिरोती के लिए धमकी देना, नोजवान युवको को सोशल मीडिया के माध्यम से जोडकर माईन्ड वॉस कर गिरोह मे सामिल कर व गैंग में अन्य प्रदेश के लोगो को शामिल कर उनको अलग अलग टास्क देना आदि बताया। उक्त खुलासे को गंभीरता से लेते हुवे, गठित टीम द्वारा आगे कार्यवाही करते उक्त गैंग के सदस्यो के बारे में आसुचना संकलित कर, तकनीकी जानकारी जुटाकर गैंग मे शामिल अलग अलग कार्य करने वाले एंव रोहित गोदारा तथा अन्य गैंगस्टरो के बीच सामंजस्य स्थापित कर उनके प्राप्त निर्देशो को अलग अलग व्यक्तियो को बताकर रकम एठने, फिरोती के लिए धमकी, मादक पदार्थ तस्कर करने वाले अवैध हथियार लाने एंव दिये गये टास्क पर उनका उपयोग कर सुरक्षित स्थानो पर पहुंचाने वाले अन्य अभियुक्तगणो को गिरफ्तार किया गया, जिनमे मुख्यतया उक्त गैंग की महिला सीमा मल्होत्रा उर्फ रेणु उर्फ माया आदि को कड़ी से कडी जोडकर अलग अलग ठिकाने बदलने में माहिर उक्त अभियुक्तगणो को टीम द्वारा जान जोखिम में डालकर हिसार (हरियाणा), भटिन्डा (पंजाब), राजकोट (गुजरात) से गिरफ्तार किया गया है।पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राशी डोगरा आईपीएस ने बताया कि उक्त गैग मे सीमा मल्होत्रा उर्फ रेणु उर्फ माया मैडम के नाम से मशहुर है एंव ये रोहित गोदारा, सम्पत नैहरा, शुभम उर्फ बिगनी, राजेन्द्र उर्फ जोकर, गोल्डी बराड आदि से सीधा संबंध रखती है। ये ही गैंग के अन्य सदस्यो से जानकारी प्राप्त कर किस व्यक्ति से अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार मंगवाना है, किस व्यक्ति को बेचना है कि स-किस को देना है, हथियार का डिस्पोजल कैसे करना है। विभिन्न प्रदेशो के सट्टेबाज, बडे व्यापारी, फिल्म स्टार आदि के नम्बर प्राप्त कर उनको गोल्डी बराड या रोहित गोदारा किससे धमकी दिलवाना है, फिरोती की रकम कहा पहुँचाना है, नहीं देने पर पुनः उनपर क्या एक्शन लेना है ये तय करती है। फिरोती से प्राप्त रकम का ब्योरा रखने से लेकर जेल मे बन्द गैंग के सदस्यो तक कपडे आदि पहुँचा एंव जेल कैंटीन मे रूपये आदि पहुँचाने का काम ये स्वयं के निर्देशन में करवाती है। महिला ने पुछताछ में यह भी खुलासा किया है कि भटिन्डा जेल मे फोन से बातचीत नही होने के कारण जेल मे स्वयं जाकर मुलाकात करके ही काम के संबंध मे गैंगस्टरो से निर्देश प्राप्त करती है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त दीपक सैन उक्त गैंग के लिये फिरौती, फिरौती के लिये व्यक्ति ढूंढना, हथियार सप्लाई करना, अवैध मादक पदार्थ की सप्लाई करना तथा अभियुक्त हरेन उर्फ डेविल राजा उक्त गैंग के लिये शूटर का कार्य करता है तथा व्यवापरियों को हथियार दिखाकर उनके पास जाकर रोहित गोदारा द्वारा दी गई धमकी को क्रियान्वित करवाने का कार्य करता है। है। जिसके विरूद पुलिस थाना सनलाईट दिल्ली व संगरिया हनुमानगढ राजस्थान में प्रकरण दर्ज हैं। अभियुक्त सचिन माया मैडम के साथ जेल में बंद गैंगस्टरों के साथ मिलने का एवं उनसे प्राप्त निर्देशों का कार्य करता।

गिरफ्तार अभियुक्त गण

(1).योगेश सैनी पुत्र हनुमान सैनी जाति माली उम्र 28 साल निवासी म.न. 10 भोपजी का डेरा, सरोज सिनेमा के सामने पुलिस थाना सँजय सर्किल जयपुर(2). मोहम्मद अकील मँसुरी पुत्र स्व. मोहम्मद उमर मँसुरी जाति मँसुरी मुसलमान उम्र 31 साल निवासी म.न. 95, भोपजी का डेरा सरोज सिनेमा के सामने पुलिस थाना सँजय सर्किल जयपुर (3) हरेन्द्र विश्नोई उर्फ राकेश पुत्र बहादुर राम विश्नोई जाति विश्नोई उम्र 20 साल निवासी गाँव मनाना पुलिस थाना मकराना जिला डीडवाना-कुचामन हाल किरायेदार केपी सिंह का मकान अपेक्स सर्किल के पास मालवीय नगर जयपुर(4). दीपक सैन पुत्र करण सिंह जाति नाई उम्र 26 साल निवासी म.न. 1980 एफसी कॉलोनी दौलतपुर रोड उकलाना मंडी, थाना उकलाना मंडी बरवाला जिला हिसार हरियाणा(5). सीमा उर्फ रेणु उर्फ माया मल्होत्रा पुत्री स्व० श्यामसुंदर चौपडा पत्नी जोगेन्द्र मल्होत्रा उम्र 50 साल जाति पंजाबी निवासी फेह265 सैक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली एवं म0न0 2602, सुभाष नगर गली नंबर 08, नियर शिव मंदिर, नई दिल्ली(6). हरेन शैलेष भाई सरबदडिया उर्फ डेविल राजा पुत्र शैलेष भाई सरफदडिया उम्र 22 साल जाति साधू (बाबाजी) निवासी प्लॉट नंबर 43, गली नंबर 8/9, पुनीत नगर, रॉयल काम्प्लेक्स के पास, 150 फीट रिंग रोड, राजकोट गुजरात (7). सचिन वर्मा पुत्र सुखवीर सिंह प्रजापत निवासी आरोही मॉडल स्कुल के सामने, मुगलपुरा पुलिस थाना उकलाना मण्डी जिला हिसार हरियाणा अब तक मुलजिमान से बरामद सामग्री 3 देशी कट्टे, 1 पिस्टल मय मैंगजीन, 1 मैगजीन, 7 कारतूस

पुलिस टीम का विवरण

(1) हरिओम सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना संजय सर्किल (2) माया मीणा उ०नि०,(3) आशा मीणा उ०नि० थाना कोतवाली(4) मनोज कुमार कानि० 6424(5) सुनिल कुमार कानि. 6371(6) दीपक कुमार कानि० 7862 (विशेष भूमिका)(7) संदीप कुमार कानि० 11250 (विशेष भूमिका)(8) राजूराम कानि० 11265 (विशेष भूमिका)(9) सँदीप सिंह कानि. 4069

साईबर सैल जयपुर उत्तर

(1) नन्छूराम कानि० 9260, (विशेष भूमिका)(2).नवीन राणा कानि० 11296

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से माइक्रोन इंडिया के प्रतिनिधिमण्डल ने की शिष्टाचार मुलाकात

- राजस्थान से कुशल इंजीनियर, टेक्नीशियन व ऑपरेटर्स को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई।
- राजस्थान युवा तकनीकी व उच्च शिक्षा ग्रहण कर अपने कौशल एवं कार्यकुशलता से हर क्षेत्र में विशिष्ठ पहचान : भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 30 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर माइक्रोन इंडिया के प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमण्डल ने मुख्यमंत्री को गुजरात में लगाए जा रहे सेमीकंडक्टर प्लांट के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्लांट में राजस्थान से कुशल इंजीनियर, टेक्नीशियन व ऑपरेटर्स को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। शर्मा ने कहा कि राजस्थान का युवा तकनीकी व उच्च शिक्षा ग्रहण कर अपने कौशल एवं कार्यकुशलता से हर क्षेत्र में विशिष्ठ पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से माइक्रोन इंडिया का समझौता करवाया जाए, जिससे आवश्यक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार होने के साथ ही युवाओं को कम्पनी में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सके। प्रतिनिधिमण्डल सदस्यों ने बताया कि माइक्रोन इंडिया के विश्व के विभिन्न देशों में प्लांट संचालित हैं। इन प्लांटों में भी प्रदेश के कौशल युक्त युवाओं को रोजगार के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता है कि कम्पनी राजस्थान में स्किल डवलपमेंट के क्षेत्र में निवेश करना चाहती है।इस दौरान प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय सिद्धार्थ सिहाग, माइक्रो इंडिया के एसेंबली एवं टेस्ट ऑपरेशन ग्लोबल प्रमुख गुरशरण सिंह, निदेशक अमरिंदर सिद्धू मौजूद रहे।

कल्चरल डायरीज 2024 :

अल्बर्ट हॉल पर सुरों की महफिल: बिखरा लोक संगीत और फ्यूज़न का जादू

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल की सराहना

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 30 नवंबर। राजस्थान पर्यटन विभाग की अनूठी पहल कल्चरल डायरीज के तहत नवम्बर माह की अंतिम सांस्कृतिक संध्या शनिवार को ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल पर आयोजित की गई। इस खास आयोजन में जयपुरवासियों और भारी संख्या में घरेलू व विदेशी पर्यटकों ने लोक और आधुनिक संगीत के बेमिसाल संगम का आनंद उठाया। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक संगीत की स्वरलहरियों ने इस महफिल को यादगार बना दिया।

● राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन

उल्लेखनीय हैं कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर राजस्थान पर्यटन विभाग ने लोक कलाकारों को मंच देने और उनकी कला को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए कल्चरल डायरीज नामक सांस्कृतिक श्रृंखला शुरू की है। हर पखवाड़े आयोजित होने वाली इस श्रृंखला का उद्देश्य राज्य की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजना और उसे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। कल्चरल डायरीज की यह प्रस्तुतियां राजस्थान की संस्कृति और संगीत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में मील का पत्थर साबित

हो रही हैं। ऐसे आयोजन न केवल राजस्थान की पहचान को मजबूत बनाते हैं, बल्कि कला और कलाकारों को वैश्विक मंच पर अपनी छाप छोड़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

● रावण हत्था के सुरों में डूबे जयपुरवासी–

कार्यक्रम की शुरुआत राजस्थान के प्राचीन वाद्य यंत्र रावण हत्था की मधुर तान से हुई। आमेर के प्रसिद्ध लोक कलाकार रूपाराम और उनके साथियों ने अपनी प्रस्तुति से समां बांध दिया। घूमर, केसरिया बालम, और निम्बुडा जैसे लोकप्रिय राजस्थानी गीतों को रावण हत्था के जरिए नए अंदाज में पेश किया गया।रावण हत्था जिसे वायलिन का पूर्वज कहा जाता है, राजस्थान की लोक परंपरा में एक विशेष स्थान रखता है। इसका प्रयोग विशेष रूप से भोपा समुदाय द्वारा पाबूजी की फड़ गायन में किया जाता है। इस एक तार वाले वाद्य यंत्र से निकलने वाली धुनों की मिठास ने अल्बर्ट हॉल के प्रांगण सहित रामनिवास गेट तक मौजूद सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

● युग्म बैंडः फ्यूज़न का जादूः

रावण हत्था वादन की प्रस्तुति के बाद मंच संभाला जयपुर के इंडी फोक बैंड युग्म ने। इस बैंड ने पारंपरिक और आधुनिक संगीत का ऐसा मेल प्रस्तुत किया जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मुसाफिर हूं, ओ रे पिया, और अन्य गीतों पर जयपुरवासी और विदेशी सैलानी ताल से ताल मिलाते नजर आए। उनकी अंतिम प्रस्तुति में राग बैराग की काव्यात्मक जुगलबंदी रमन बैरागी हुआर से श्रोता झूम उठे। युग्म बैंड ने भारतीय और पश्चिमी वाद्ययंत्रों के जरिए संगीत में नए आयाम जोड़े। उनके गीतों और कविताओं में राजस्थान की सांस्कृतिक जड़ों की गूंज सुनाई दी। बैंड के कलाकारों ने बताया कि उनका उद्देश्य भारतीय लोकधुनों और परंपरागत वाद्यों को विश्व मंच पर नई पहचान दिलाना है। गौरतलब है कि युग्म बैंड के कई गीत नेटफ्लिक्स पर भी काफी लोकप्रिय हैं।

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल की सराहना

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल से अल्बर्ट हॉल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में आयोजित इस कल्चरल डायरीज में न केवल संगीत का उत्सव था, बल्कि जयपुरवासियों और देसी व पर्यटकों के लिए राजस्थान की संस्कृति से जुड़ने का अवसर भी था। इस सांस्कृतिक शाम ने यह सिद्ध कर दिया कि संगीत और परंपरा की जड़ें लोगों के दिलों को छूने की शक्ति रखती हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग के इस प्रयास को जयपुरवासियों और सैलानियों ने सराहना की है। लोक कलाकारों और आधुनिक संगीतकारों को एक मंच पर लाना न केवल सांस्कृतिक विविधता को उजागर करता है, बल्कि राजस्थान की कला और संगीत को एक नई ऊंचाई पर ले जाने का काम भी करता है। कल्चर डायरीज की इस अंतिम प्रस्तुति के अवसर पर विभाग की संयुक्त निदेशक पुनीता सिंह, उपनिदेशक नवल किशोर बसवाल समेत अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

अजमेर उत्तर का होगा कायाकल्प, बनेंगी गुणवत्तापूर्ण सड़कें व नाले

वासुदेव देवनानी विधानसभा अध्यक्ष ने किया बोराज में एक करोड़ की सड़कों का शिलान्यास

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 30 नवम्बर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। सड़क, नाला एवं भवनों के निर्माण कार्यों के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए है कि गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। अगर निर्माण में गुणवत्ता स्तर के अनुकूल नहीं पाई जाती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को बोराज गांव में एक करोड़ रूपए लागत की दो सीसी सड़कों का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों रूपए की लागत से सड़क एवं नाला निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। करीब 56 करोड़ रूपए की लागत से सड़कों एवं नालों का निर्माण कार्य कराया जाएगा। अजमेर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से यह कार्य करवाएं जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि गुणवत्ता में किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। कमी पाई जाती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगीउन्होंने कहा कि इस बजट में अजमेर जिले को 1500 करोड़ रूपए से ज्यादा की सौगातें मिली हैं। इनमें ज्यादातार काम अजमेर उत्तर क्षेत्र में होगा। उन्होंने कहा कि अजमेर के स्मारक और विरासतों का नामकरण हमारी अपनी

संस्कृति और पहचान के साथ जुड़ा होगा। इसी सोच के साथ होटल खादिम का नाम परिवर्तित कर होटल अजयमेरू किया गया है। तेलंगाना हाउस का आवंटन निरस्त किया गया है। आगामी दिनों में फॉयसागर का नाम भी बदल कर वरूण सागर और किंग एडवर्ड मेमोरियल का नाम बदल कर महर्षि दयानन्द मेमोरियल किया जाएगा। हमने चुनाव में वादा किया था कि लोगों की भावनाओं के विपरीत बनाए जा रहे तेलंगाना हाउस का आवंटन निरस्त होगा। यह आवंटन निरस्त कराया जा चुका है। इसी तरह अजमेर के लोगों और अजमेर आने वाले सैलानियों, श्रद्धालुओं को प्राचीन इतिहास से रूबरू कराने के लिए होटल खादिम का नाम बदल कर होटल अजयमेरू किया गया है। अजयमेरू अजमेर का प्राचीन नाम है और अजमेर के संस्थापक राजा अजयराज चौहान से जुड़ा हुआ है। अब अजमेर आने वाले व्यक्ति जब भी होटल अजयमेरू जाएंगे, उन्हें अजमेर के गौरव की अनुभूति होगी। इसी कड़ी में आने वाले दिनों में फॉयसागर का नाम बदल कर वरूण सागर किया जाएगा। फॉयसागर नाम अंग्रेजी मानसिकता और उनके कुराज का परिचायक है। इसे बदल कर भारतीय शास्त्रों में वर्णित वरूण देवता के नाम पर किया जाएगा। इसी तरह अंग्रेजों के कुराज के ही प्रतीक नाम किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) का नाम भी बदला जाएगा। इसका नाम महान भारतीय संत महर्षि दयानन्द सरस्वती के नाम पर महर्षि दयानन्द मेमोरियल किया जाएगा।उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में अजमेर के विकास के लिए अथक प्रयास किए गए हैं। आजादी के बाद पहली बार किसी बजट में अजमेर को इतनी बड़ी राशि मिली है। कोटड़ा क्षेत्र में सैटेलाइट अस्पताल की शुरूआत हो चुकी है। अजमेर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, आईटी पार्क, आयुर्वेद यूनिवर्सिटी, स्पोर्ट्स कॉलेज, स्पोर्ट्स अकादमी सहित विभिन्न कार्य होंगे। इन बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की शुरूआत हो चुकी है। शीघ्र ही यह सभी कार्य धरातल पर दिखाई देंगे।इस अवसर पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

सर्वश्रेष्ठ फीफा खिलाड़ी पुरस्कार : विनिसियस जूनियर, कार्वाजल,एमबाप्पे नामितों में शामिल

नई दिल्ली। फीफा ने शुक्रवार को 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामितों की घोषणा की, जिसमें विनीसियस जूनियर, दानी कार्वाजल, जूड बेलिंगहैम, किलियन एमबाप्पे, फेडे वाल्वरडे और टोनी क्रूस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। बार्सिलोना की ऐताना बोनमती महिला पुरस्कार के लिए नामितों में सबसे आगे हैं। पुरस्कार समारोह की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। विनीसियस जूनियर और उनके रियल मैड्रिड टीम के साथी रॉड्री अब एक और मुकाबले के लिए तैयार हैं। रॉड्री, जिन्होंने मैनचेस्टर सिटी के ऐतिहासिक चौथे लगातार प्रीमियर लीग खिताब और स्पेन की यूरो 2024 जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित किया गया था, एक मजबूत पसंदीदा हैं। विनीसियस जूनियर रॉड्री के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिद्वंद्वी हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल किए और 11 सहायता प्रदान की।

'केसीसी फाइटनाइट' के लिए लखनऊ पहुंचे फाइटर्स, एक दिसम्बर को होगा मुकाबला

लखनऊ। नवाबों के शहर में होने वाले मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के रोमांचक मुकाबले ह्यकेसीसी फाइटनाइटह्न की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस फाइट में अपनी चुनौती पेश करने को तैयार देश के शीर्ष एमएमए फाइटर में शुमार राना रूद्र प्रताप सिंह सहित अन्य विश्व स्तरीय फाइटर लखनऊ पहुंच गए और एक दिसंबर को चौक स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में होने वाले मुकाबले को लेकर सर्वश्रेष्ठ एक्शन का लखनऊ वासियों से वादा किया। मार्शल आर्ट के प्रति समर्पण और जुनून से प्रेरित संस्था कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) के तत्वावधान में होने वाली चैंपियनशिप में शनिवार 30 नवंबर 2024 को शाम पांच बजे से इन सभी 16 फाइटर्स का वजन किया जाएगा और फाइटर एक-दूसरे से रूबरू होंगे। इस फाइट में अंकों के अलावा नाकआउट और सबमिशन के आधार पर विजेता का फैसला हो सकता है। केसीसी फाइटनाइट में मार्शल आर्ट की विभिन्न शैलियों जैसे कराटे, किकबॉक्सिंग, जि-जित्सु, ताइक्वांडो आदि के फाइटर्स के रोमांचक फाइटिंग स्टाइल और तकनीक से फाइटर्स लोगों को रोमांचित करने के लिए तैयार है।

ब्रैथवेट को उम्मीद, वेस्टइंडीज बांग्लादेश पर क्लीन स्विप के साथ करेगी 2024 का अंत

जमैका। वेस्टइंडीज के टेस्ट कप्तान क्रैग ब्रैथवेट ने उम्मीद जताई है कि उनकी टीम जमैका में आज से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे देस्ट को जीतकर दो मैचों की सीरीज में क्लीन स्विप कर 2024 का शानदार अंत करेगी। एंटीगुआ में सीरीज के पहले मैच में 201 रन की जीत के बाद मेजबान टीम की नजरें सीरीज में क्लीन स्वीप करने पर टिकी होंगी। संयोग से, वेस्टइंडीज ने आखिरी टेस्ट क्लीन स्वीप भी बांग्लादेश के खिलाफ 2022 में 2-0 से किया था। ब्रेथवेट ने प्री मैच कांफ्रेंस में कहा साल का अंत शानदार तरीके से करना बहुत महत्वपूर्ण है और हम किसी भी टेस्ट मैच या किसी भी टेस्ट सीरीज को हल्के में नहीं ले सकते। उन्होंने कहा पहला टेस्ट इतिहास बन चुका है और इसलिए हमें गेंदबाजी इकाई और बल्लेबाजी इकाई के रूप में शुरूआत करनी होगी। लेकिन हम इसके लिए तत्पर हैं। ब्रेथवेट को उम्मीद है कि पहले टेस्ट में जीत दर्ज करने के बाद उनके तेज गेंदबाज एक बार फिर अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

पीकेएल-11: पल्टन ने हार का सिलसिला तोड़ा, मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को हराया

- गुजरात ने पल्टन को आलआउट करते हुए 28-26 की लीड बना ली

नोएडा। एजेंसी

पुनेरी पल्टन जिस जज्बे के लिए जानी जाती है, उसी का प्रदर्शन करते हुए उसने नोएडा इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए प्री कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 84वें मैच में गुजरात जाएंट्स को 34-33 के स्कोर से हराते हुए अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। इसी के साथ पल्टन ने लगातार दो मैचों से चले आ रहे हार के सिलसिले तो भी तोड़ दिया। उसने 15 मैचों में सातवीं जीत हासिल की है जबकि लगातार दो जीत के बाद गुजरात फिर निराश हुए हैं। उसे गुमान सिंह के 16 अंकों के बावजूद 15 मैचों में नौवीं हार मिली। पल्टन के लिए आकाश शिंदे ने सुपर-10 लगाया। गुजरात ने शुरूआती 10 मिनट में 12-9 की लीड ले ली थी। गुमान ने सुपर रेड के साथ शानदार शुरूआत दिलाई। उसने एक समय 5-1 की लीड ले ली थी और पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में भी डाल दिया था लेकिन पल्टन ने खुद को इससे उबारते हुए स्कोर 9-9 कर गुजरात को सुपर टैकल में डाला। गुजरात ने हालांकि सुपर टैकल के दो अंक हासिल कर लिए।
ब्रेक के बाद गुमान के एक और मल्टी प्वाइंट रेड की मदद से गुजरात ने तीसरी बार पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला लेकिन पंकज ने जीतेंद्र का शिकार कर उसे उबार लिया। स्कोर 15-10 था। गुमान हालांकि अगली रेड पर लपक लिए गए। इसके बाद हिमांशु ने डू ओर डाई रेड पर पंकज को लपक स्कोर 16-11 कर दिया। इसी के साथ गुमान ने पीकेएल में अपना सुपर-10 और 500 रेड प्वाइंट भी पूरे किए। पल्टन ने हालांकि इसके बाद दो अंक लेकर फासले को पाटने का प्रयास किया।
हाफटाइम तक जाते-जाते पल्टन ने न सिर्फ स्कोर 16-16 कर दिया बल्कि गुजरात को आलआउट की ओर भी धकेल दिया। फिर हाफटाइम के ठीक बाद आलआउट लेते हुए 19-16 की लीड ले ली। आलइन के बाद हालांकि गुजरात ने तीन के मुकाबले पांच अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। अब फासला घटकर एक का रह गया था। गुजरात ने लगातार दो अंक लेकर अचानक ही लीड ले ली लेकिन दादासाव पुजारी ने परतीक को सुपर टैकल पल्टन को फिर आगे कर दिया। फिर गुमान ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ मुकाबला पलट दिया। इसके बाद गुजरात ने पल्टन को आलआउट करते हुए 28-26 की लीड बना ली। ब्रेक के बाद आकाश ने प्रियांक को आउट किया तो गुमान ने दो रेड में तीन अंक लेकर फासला 5 का कर दिया। पल्टन ने फिर वापसी की राह पकड़ी और लगातार तीन अंक के साथ स्कोर 30-32 किया और फिर 32-32 की बराबरी भी कर ली। हिमांशु ने हालांकि आर्यवर्धन का शिकार कर गुजरात को फिर आगे कर दिया। इसके बाद लेकिन अजीत ने हिमांशु का शिकार कर स्कोर 33-33 कर दिया। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला बराबरी पर समाप्त होगा लेकिन डू ओर डाई रेड में मैच के सबसे चमकदार सितारे गुमान का शिकार कर दादासाव (4 शिकार) ने पल्टन को एक अंक की रोमांचक जीत दिला दी।

लीसेस्टर सिटी के नए कोच नियुक्त हुए रूड वान निस्टेलरॉय

लंदन। लीसेस्टर सिटी ने शुक्रवार को रूड वान निस्टेलरॉय को जून 2027 के अंत तक अनुबंध के साथ अपना नया प्रथम टीम कोच नियुक्त किया। पूर्व स्ट्राइकर ने पीएसवी आइंडहोवन को कोचिंग दी है, वह मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हैग के सहायक थे, टेन हैग की बर्खास्तगी के बाद अंतरिम बॉस के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रभारी के रूप में चार में से तीन मैच जीते, इसके बाद उन्होंने दो सप्ताह पहले क्लब छोड़ दिया। उन्हें स्टीव कूपर की जगह लेने का काम सौंपा गया है, जिन्होंने पिछले सप्ताहांत में चेल्सी के खिलाफ घरेलू मैदान पर लीसेस्टर की 2-1 की हार के बाद अपनी नौकरी खो दी थी, जबकि वे केवल 12 प्रीमियर लीग मैच ही प्रभारी के रूप में खेल पाए थे। कोच नियुक्त किये जाने पर निस्टेलरॉय ने कहा, 'मुझे गर्व है, मैं उत्साहित हूं, लीसेस्टर सिटी के बारे में मैं जिस किसी से भी बात करता हूं, वे सभी उत्साही हैं। उनके पास क्लब में काम करने वाले लोगों, समर्थकों की गुणवत्ता के बारे में शानदार कहानियां हैं और निश्चित रूप से, क्लब का हालिया इतिहास प्रभावशाली है।

हॉकी इंडिया लीग का आधिकारिक प्रसारण भागीदार बना दूरदर्शन

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय खेलों को बढ़ावा देने की अपनी विरासत के लिए प्रसिद्ध, दूरदर्शन देश भर के लाखों दर्शकों के लिए हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का रोमांचक एक्शन लेकर आएगा। दूरदर्शन ने शनिवार को हॉकी इंडिया लीग के साथ साझेदारी किया है, ताकि हॉकी को घर-घर पहुंचाया जा सके और इस सुंदर खेल के खिलाड़ियों को देश में जाना-पहचाना नाम बनाया जा सके। एचआईएल 28 दिसंबर 2024 से शुरू हो रहा है। इस साल का संस्करण ऐतिहासिक है क्योंकि यह महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ बहुप्रतीक्षित पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक है। इस लीग में 8 पुरुष टीमें और 4 महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें भारत और दुनिया भर से शीर्ष स्तर की प्रतिभाएँ दिखाई देंगी। महिला लीग का जुड़ना हॉकी इंडिया की खेलों में लैंगिक समावेशिता को आगे बढ़ाने और एक बड़े मंच पर महिला हॉकी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

द. अफ्रीका के पूर्व तीन क्रिकेटर भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। द. अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटरों लोनवाबो सोत्सोबे और थामी त्सोलेकिले के साथ-साथ टाइटन्स के पूर्व गेंदबाज इथी मभालती को गिरफ्तार किया गया है और उन पर भ्रष्ट गतिविधियों की रोकथाम एवं प्रतिरोध अधिनियम, 2004 की धारा 15 के तहत भ्रष्टाचार के पांच आरोप लगाए गए हैं। अधिनियम की धारा 15 के तहत आरोप लगाए गए हैं, खेल आयोजनों से संबंधित भ्रष्ट गतिविधियों से संबंधित है, किसी अन्य व्यक्ति से किसी ऐसे कार्य में शामिल होने के लिए रिश्वत लेना या देने की पेशकश करना शामिल है, जो किसी खेल आयोजन की अखंडता को कमजोर करने या खेल के क्रम को प्रभावित करने की धमकी देता है। ये आरोप 2015-16 के रैम स्लैम चैलेंज के इर्द-गिर्द मैच फिक्सिंग की कहानी से जुड़े हैं।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए हेजलवुड, एबॉट और डॉगेट टीम में शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी

जोश हेजलवुड साइड स्ट्रेन के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट, जो दोनों टेस्ट स्तर पर अनकैप्ड हैं, को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है, हालांकि डे-नाइट टेस्ट के लिए इलेवन में हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को शामिल किया जा सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक बयान में कहा गया है कि हेजलवुड को 'बाईं ओर हल्की चोट' है और वह अपनी रिकवरी के लिए एडिलेड में टीम के साथ रहेंगे। हेजलवुड पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे जिन्होंने 34 ओवर में 57 रन देकर 5 विकेट लिए। पिछले साल एशेज में हेडिंग्ले के बाद से यह पहला टेस्ट होगा जिसे हेजलवुड ने मिस किया है। पिछले साल एशेज में उन्हें लगातार कई चोटें लगी थीं - जिसमें दो साइड स्ट्रेन भी शामिल थे - जबकि उन्हें विभिन्न उपमहाद्वीपीय दौरों पर परिस्थितियों के कारण भी बाहर रखा गया था।

केन विलियमसन 9000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बने

क्राइस्टचर्च। एजेंसी

स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने शनिवार को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह 9,000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। चोट से वापसी करने के बाद केन विलियमसन ने क्राइस्टचर्च टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में 86 गेंदों पर 61 रनों की पारी खेली। 36वें ओवर में क्रिस वोक्स द्वारा उन्हें आउट करने के बाद उनकी पारी का अंत हुआ। इससे पहले पहली पारी में कीवी बल्लेबाज ने 47.21 की स्ट्राइक रेट से 197 गेंदों पर 93 रन बनाए थे। टेस्ट मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। विलियमसन के 93 और फिलिप्स 58 रनों की जुझारू पारी की बदौलत कीवी टीम ने अपनी पहली पारी में 348 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ब्राइडन कार्स और शोएब बशीर ने 4-4 विकेट लिए। जवाब में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक की 197 गेंदों में 171 रनों की शानदार पारी और बेन स्टोक्स के 80 रनों की बदौलत अपनी पहली पारी में 499 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए नाथन स्मिथ ने 3 और मैट हेनरीने 4 विकेट लिए। दूसरी पारी में केन विलियमसन (61) और डेरिल मिशेल (31) की मदद से, न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने पर 156 रनों पर अपने 6 विकेट खो दिये हैं। डेरिल मिशेल (31*) और नाथन स्मिथ (1*) नाबाद हैं।

पीवी, ध्रुव-तनिषा की जोड़ी फाइनल में

लखनऊ। एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने शनिवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में युवा उन्नति हुड्डा पर आसान जीत दर्ज की।
दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने 17 वर्षीय हुड्डा को 35 मिनट में 21-12, 21-9 से हराया। 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का सामना फाइनल में थाईलैंड की लालिनरत चाइवान या चीन की लुओ यू वू से होगा। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो ने चीन के झोउ झी होंग और यांग जिया यी पर 21-16, 21-15 से जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। बाद में, तनिषा महिला युगल सेमीफाइनल में अश्विनी पोनप्पा के साथ मैदान में उतरेंगी। लक्ष्य सेन, प्रियांशु राजावत, महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय-के और साई प्रतीक व ईशान भटनागर-शंकर प्रसाद उदयकुमार भी शनिवार को खेलेंगे।

ग्रामीणों के लिए राहत का दूसरा नाम बना 'रास्ता खोलो अभियान'

जयपुर जिला डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के सकारात्मक एवं अभिनव पहल ने सामाजिक समरसता को दिया बढ़ावा

महज 15 दिन में 132 रास्ते खोल कर आमजन को दिलाई राहत

सहमति और समझाइश नीति से जिला प्रशासन के प्रयास लाए रंग

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 30 नवंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर शुरू हुआ रास्ता खोलो ग्रामीणों एवं आमजन के लिए राहत का दूसरा नाम बन गया है। 15 नवंबर को शुरू हुए रास्ता खोलो अभियान की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि महज 15 दिनों में जिला प्रशासन ने सहमति एवं समझाइश की नीति से जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण में 132 रास्तों को खुलवाने में कामयाबी हासिल की है।अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान की नोडल ऑफिसर सुमन पंवार ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर रास्ता खोलो अभियान के तहत बरसों से बंद रास्ते खुले तो ग्रामीणों एवं आमजन की गांवों और खेतों तक की राह आसान हुई।उन्होंने बताया कि रास्ता खोलो

गांवों और खेतों की राह हुई आसान, ग्रामीणों ने जताया जिला प्रशासन का आभार

अभियान के तहत विगत 15 दिनों में जोबनेर तहसील में सर्वाधिक 11 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, चौमूं एवं सांगानेर तहसील में 10-10 रास्ते, आमेर, आंधी, शाहपुरा, फुलेरा एवं माधोराजपुरा में 9-9 रास्ते खुलवाए गए हैं।

साथ ही उन्होंने बताया कि रास्ता खोलो अभियान के तहत किशनगढ़-रेनवाल एवं चाकसू तहसील में 8-8 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 7 रास्ते, बस्सी एवं कोटखावदा तहसील में 6-6 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी, जालसू में 5-5 रास्ते, कालवाड़, तुंगा तहसील में 4-4 वहीं, जयपुर तहसील में जिला प्रशासन को 3 रास्ते खुवाने में कामयाबी हासिल हुई जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है। वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा।इस दौरान ग्रामीणों ने बताया कि गांव और खेतों की ओर जाने वाली राह आसान करने के लिए जिला प्रशासन के इस अभियान से निश्चित रूप से आमजन को राहत मिलेगी। जिला प्रशासन एवं पुलिस ने सहयोग कर दशकों से बंद सिवायचक, कटानी एवं गैर मुमकिन सहित अन्य सभी प्रकार के रास्तों को खुलवा कर उनकी राह बेहद आसान कर दी है। उन्होंने बताया कि इनमें से कुछ रास्ते तो करीब 50 से भी अधिक सालों से बंद थे, लेकिन सहमति एवं समझाइश से इन रास्तों को भी खुलवाने में कामयाबी मिली।ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिला कलक्टर के निर्देश पर आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

- मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब भंडारण का किया पर्दाफाश
- 631 बीयर एवं 14 अंग्रेजी शराब की बोतल की बरामद, तीन आरोपियों को दबोचा

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 30 नवंबर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी के आबकारी निरोधक दल ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए अवैध शराब भंडारण पर्दाफाश किया हैजिला आबकारी अधिकारी देविका तोमर ने बताया कि आबकारी निरोधक दल ने मालवीय नगर स्थित तरकरश लांच पर छापा मारा। टीम ने मौके से विभिन्न ब्रांड की 459 बीयर (330 एम.एल), विभिन्न ब्रांड की 172 बीयर (275 एम.एल) एवं 14 अंग्रजी शराब की बोतल बरामद की। साथ ही आबकारी निरोधक दल ने मौके से अवैध भंडराण करने वाले तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिले में शराब माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। अवैध शराब के संबंध में अनुसंधान जारी है। उक्त कार्रवाई में आबकारी निरोधक दल जयपुर शहर दक्षिण-पूर्व के प्रहराधिकारी ममता शार्दुल पुलिस निरीक्षक एवं जयपुर शहर आबकारी निरीक्षक अशोक मीणा एवं कार्तिक सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसीबी ने करी प्रभावी कार्रवाई

बूंदी में जे.वी.वी.एन.एल. का तकनीशियन-द्वितीय एवं उसका दलाल (प्राईवेट व्यक्ति) 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 30 नवम्बर, शनिवार। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर कोटा देहात इकाई द्वारा आज बूंदी में कार्यवाही करते हुये पवन कुमार गौतमतकनीशियन-द्वितीय कार्यालय अधिशासी अभियंता, जे.वी.वी.एन.एल. बूंदी एवं उसके दलाल हरिनारायण पांचाल ठेकेदार (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 15 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की कोटा देहात इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी माताजी के नाम की कृषि भूमि पर विद्युत कनेक्शन की फाइल पास करवाने की एवज में आरोपी ठेकेदार हरिनारायण पांचाल (प्राईवेट व्यक्ति) द्वारा सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता आदि के नाम पर 40 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।जिस पर एसीबी कोटा के उप महानिरीक्षक पुलिस शिवराज मीणा के सुपरवीजन में एसीबी की कोटा देहात इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह कानावत के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज पुलिस निरीक्षक राजपाल सिंह द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी ठेकेदार हरिनारायण पांचाल (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। मामले में संलिप्तता के आधार पर आरोपी पवन कुमार गौतम तकनीशियन-द्वितीय को भी गिरफ्तार किया गया है।एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपीगण से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

जैसलमेर की रामदेवरा पुलिस ने 70 लाख कीमत के सोने-चांदी के जेवर की चोरी की वारदात का किया खुलासा

- चोरी का आरोपी गिरफ्तार, चोरी गई स्कॉर्पियो की जब्त

चमकता राजस्थान

जयपुर/जैसलमेर! (खलील कुरैशी) 30 नवंबर। जिले की रामदेवरा थाना पुलिस ने जवाहरात व्यापारी के घर के बाहर से स्कार्पियो सहित 70 लाख रुपये कीमत के सोने चांदी से भरा बैग की चोरी के मामले का खुलासा कर आरोपी मंगेश कुमार कुमावत पुत्र रामचन्द्र (30) वार्ड नंबर तीन रामदेवरा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी द्वारा चुराई गई गाड़ी पूर्व में बरामद की जा चुकी है।एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि घटना के संबंध में 21 नवंबर को रामदेवरा निवासी सोने चांदी के व्यापारी पवन कुमार सोनी द्वारा रिपोर्ट दी गई कि कल रात 10:00 बजे वह अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से घर आ रहा था। स्कॉर्पियो में रखें एक बैग में 500 ग्राम सोना और 12 किलो ग्राम चांदी के जेवरात तथा दुकान के हिसाब किताब के बही खाता रखे हुए थे। उसके साथ आरोपी मंगेश भी गाड़ी में ही था। गाड़ी को अंदर करने के बहाने मंगेश स्कॉर्पियो सहित जेवर चुरा कर भाग गया। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।एसपी चौधरी ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए नामजद आरोपी की गिरफ्तारी एवं चोरी गए गहनों की बरामदगी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार व सीओ भवानी सिंह के सुपरविजन एवं एसएचओ शंकर लाल के नेतृत्व में गठित की गई टीम द्वारा सरगर्मी से तलाश कर आसूचना संकलन एवं तकनीकी मदद से आरोपी मंगेश को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार आरोपी मंगेश कुमावत को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने रिमाण्ड पर लिया है। जिससे चोरी गए माल की बरामदगी के लिए विस्तृत पूछताछ किए जा रही है। इस कार्रवाई में एसएचओ शंकर लाल के साथ हेड कांस्टेबल डालूराम व कमल सिंह, कांस्टेबल रामनारायण, सवाई सिंह, श्रवण राम, जसाराम, प्रदीप जोशी, कांस्टेबल चालक भगवान दास एवं डीसीआरबी से हेड कांस्टेबल भीमराव सिंह व कांस्टेबल हजार सिंह शामिल थे।

केंद्रीय वन मंत्री ने ली अलवर रेलवे स्टेशन के विकास के संबंध में समीक्षा बैठक

- आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेलवे स्टेशन के विस्तार एवं विकास के प्रस्ताव करें तैयार: भूपेंद्र यादव केंद्रीय मंत्री

चमकता राजस्थान। जयपुर! (खलील कुरैशी) 30 नवम्बर। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को अलवर के मिनी सचिवालय सभागार में अलवर रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक लेकर रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेलवे स्टेशन के विस्तार एवं विकास के प्रस्ताव तैयार करें। केंद्रीय मंत्री यादव ने रेलवे के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिला प्रशासन के साथ समन्वय कर रेलवे स्टेशन के विस्तार एवं विकास के आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रयास करे कि तैयार किए गए प्रस्तावों को इसी साल में स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड को भिजवाए। रेल मंडल जयपुर के डीआरएम विकास पुरवार ने अलवर रेलवे स्टेशन के रि-डवलपमेंट के संबंध में प्रजेन्टेशन दिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री यादव को विश्वास दिलाया कि बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में कार्य को गति प्रदान की जाएगी।

करौली जिले में स्पेशल टीम की बड़ी कार्रवाई

35 हजार के इनामी को हैदराबाद में पकड़ा, फायरिंग कर हत्या के प्रयास, लूट, डकैती व अपहरण के मामलों में अभियुक्त भरतपुर-करौली से है इनामी

दो दिन तक मजदूर बने दो कांस्टेबल, पुष्टि होते ही टीम ने दबोचा

चमकता राजस्थान

जयपुर/करौली!(खलील कुरैशी) 30 नवंबर। करौली एवं भरतपुर जिले के आधा दर्जन मामलों में वांछित 35 हज़ार रुपये के इनामी बदमाश जगदीश उर्फ डालू गुर्जर पुत्र उदय सिंह निवासी झिरना थाना सदर हिंडौन को जिला स्पेशल टीम ने हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है। टीम के दो सदस्य कांस्टेबल आकाश व अमीर सिंह की इसकी गिरफ्तारी में विशेष भूमिका रही, जिन्होंने हैदराबाद में 2 दिन मजदूर बनकर आरोपी के बारे में पता लगाया।एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध भरतपुर एवं करौली जिले में फायरिंग कर हत्या का प्रयास, डकैती, लूट व अपहरण के करीब आधा दर्जन मामले दर्ज है, इन सभी मामलों में आरोपी फरार चल रहा है। इसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी भरतपुर की तरफ से 10 हजार और उनके कार्यालय से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। पिछले 5 दिनों से दोनों कांस्टेबल आरोपी का बेंगलुरु एवं हैदराबाद में पीछा कर रहे थे।एसपी उपाध्याय ने बताया कि करीब 3 साल से फरार चल रहे इनामी बदमाश जगदीश उर्फ डालू गुर्जर के संबंध में आसूचना संकलन के लिए उन्होंने डीएसटी प्रभारी धारा सिंह को निर्देश दिए थे। आरोपी की तलाश के दौरान टीम के सदस्य आकाश एवं अमीर सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी नाम व पहचान बदलकर बेंगलुरु में फरारी काट रहा है। जिला साइबर सेल ने भी तकनीकी मदद से उसके बेंगलुरु में होने की पुष्टि कर दी।इस सूचना पर दोनों कांस्टेबल को तुरंत बेंगलुरु भेजा गया। लेकिन आरोपी काफी शातिर था, पुलिस की भनक लगते ही वहां से फरार हो गया। दोनों पुलिसकर्मी तकनीकी सहायता से पीछा करते हुए हैदराबाद पहुंचे। जहां आरोपी प्रिस्टन एमविटास आमरी सोसायटी कोलूर में मजदूर बन मार्बल का काम कर रहे थे। दो दिन तक दोनों कांस्टेबल भी मजदूर बनकर सोसाइटी में रह मुलजिम के रहने के स्थान का पता लग रहे थे।आरोपी के रहने के स्थान की पुष्टि होने के बाद उन्होंने टीम प्रभारी धारा सिंह को सूचना दी। इसके बाद टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ने की कोशिश की तो वह छत पर चढ़ एक छत से दूसरी छत पर भागने लगा। जिसे दोनों कांस्टेबल आकाश सोलंकी व अमीर सिंह ने बहादुरी का परिचय देते हुए बिना किसी नुकसान के दबोच लिया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929